राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 12 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–232 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सनातन पर बहस के बीच लालू का भक्ति मार्ग, राबड़ी संग वैद्यनाथ धाम में पूजा

आरजेडी सुप्रीमों लालू यादव झारखंड दौरे पर हैं। लालू आज सुबह देवघर के बाबा वैद्यनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी के साथ यहां पूजा अर्चना की। रविवार को लालू झारखंड पहुंचे थे।

देवघर। आरजेडी सुप्रीमों लालू यादव झारखंड दौरे पर हैं। लालू आज सुबह देवघर के बाबा वैद्यनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी के साथ यहां पूजा अर्चना की। रविवार को लालू झारखंड पहुंचे थे।

गौरतलब हो, लालू झारखंड दौरे पर आए हुए हैं। रविवार को झारखंड पहुंचते ही पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान लालू ने कहा था कि देश के हित के लिए भाजपा को हटाना होगा और इसकी खातिर विपक्ष के नेताओं को एकजुट होना पड़ेगा। राजद सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा भागाओ देश बचाओ। देश सबका है। नफरत फैलाने वाले पूरे देश में नफरत फैला रहे हैं। इन्हें देश से भगाना है। लालू अपने झारखंड दौरे पर कई कद्दावर नेताओं से मुलाकात करेंगे।

INDIA गठबंधन बनने के बाद लालू का ये झारखंड का पहला दौरा है। बीते दिनों

संतान और हिन्दू आस्था को लेकर INDIA गुट के कुछेक नेताओं द्वारा की गई विवादित बयानबाजी के बीच लालू यादव का वैद्यनाथ धाम पहुंचने के सियासी मायने भी हैं। आरजेडी मुखिया झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से भी मुलाकात कर सकते हैं और 2024 को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी लालू का ये दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रविवार को राजद नेताओं ने लालू और राबड़ी का ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया था। देवघर हवाई अड्डे पर स्वागत करने वालों में झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव, झारखंड के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, बादल, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।देवघर परिसदन में राजद अध्यक्ष ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और सबका हालचाल पूछा।

पीएम नरेंद्र मोदी के बर्थडे पर लॉन्च होगी बड़ी योजना, देश भर में 70 मंत्री संभालेंगे मोर्चा

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस17 सितंबर को सरकार विश्वकर्मा दिवस योजना की लॉन्चिंग करने जा रही है। पीएम मोदी खुद दिल्ली से पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ करेंगे। जबकि, देश भर के 70 विभिन्न स्थानों से 70 मंत्री मोर्चा संभालेंगे। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान इस योजना का जिक्र किया था। इस योजना को केंद्रीय कैबिनेट मंजूरी दे चुकी है। इस योजना के तहत आने वाले पांच वर्षों में बुनकरों, सुनारों, लोहारों, कपड़े धोने वाले श्रमिकों और नाई जैसे समुदायों से आने वाले पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों के कौशल प्रशिक्षण और विकास पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो मुख्य रूप से ओबीसी समुदाय से संबंधित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विश्वकर्मा दिवस योजना की लॉन्चिंग की जानी है। इसके लिए सरकार की तरफ से पूरी तैयारी कर ली गई है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा भी होती है और उसी दिन इस योजना को लॉन्च करने का सांकेतिक महत्व भी है।

शाह-राजनाथ समेत 70 मंत्री कहां से संभालेंगे मोर्चा

विश्वकर्मा दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद से जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ से कार्यक्रम में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में, स्मृति ईरानी झाँसी में, भूपेन्द्र यादव जयपुर में मौजूद रहेंगे जबकि एस जयशंकर तिरुवनंतपुरम से कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी तरह अन्य मंत्रियों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ज्यादातर उनके गृह राज्यों में ही तैनात किया गया है।

योजना से किसे लाभ

इस योजना के तहत आने वाले पांच वर्षों में बुनकरों, सुनारों, लोहारों, कपड़े धोने वाले श्रमिकों और नाई जैसे समुदायों से आने वाले पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों के कौशल प्रशिक्षण और विकास पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो मुख्य रूप से ओबीसी समुदाय से संबंधित हैं।

इस योजना का उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार करना और उन्हें घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखला के साथ एकीकृत करना है।

देवीलाल की जयंती पर हरियाणा में पक रही खिचड़ी, अकाली दल पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले अपने खेमे को मजबूत करने में जुटा INDIA गठबंधन अब अकाली दल पर डोरे डाल रहा है। 25 सितंबर को हरियाणा के कैथल जिले में एक रैली होने जा रही है। इसमें INDIA गठबंधन के कई दल शामिल होंगे और अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल भी मंच साझा कर सकते हैं। यह कार्यक्रम इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से पूर्व उपप्रधानमंत्री देवी लाल की जयंती के मौके पर किया जा रहा है। पार्टी उनकी जयंती को सम्मान दिवस के तौर पर मनाती रही है। कैथल में होने वाली रैली के मंच पर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला जैसे विपक्षी नेता दिखेंगे। दरअसल अकाली दल और ओमप्रकाश चौटाला फैमिली के बीच अच्छे रिश्ते रहे हैं। इन रिश्तों का ही इस्तेमाल करते हुए नीतीश कुमार कोशिश कर रहे हैं कि अकाली दल को साथ ले आया जाए। खबर है कि अकाली दल का रुख भी नरम है। चर्चाएं है कि उद्धव ठाकरे, एनसीपी के शरद पवार, टीएमसी के नेता और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी इसमें आ सकते हैं। इस आयोजन को विपक्षी एकता के प्रदर्शन के तौर पर पेश किया जा सकता है। हालांकि अब तक कांग्रेस को न्योता देने या उसके शामिल होने की कोई खबर नहीं है।

पिछले साल भी नीतीश कुमार ने हाथ जोड़कर की थी अपील

INLD नेता अभय चौटाला ने कहा, हमारी तरफ से लगभग सभी विपक्षी पार्टियों को न्योता भेजा गया है। इस रैली से यह संदेश जाएगा कि केंद्र सरकार से मुकाबले के लिए विपक्ष तैयार है। कांग्रेस को निमंत्रण पर चौटाला ने कहा कि इस बारे में पार्टी के भीतर चर्चा के बाद ही फैसला लेंगे। हालांकि चर्चा है कि INDIA के नेता इनेलो और अकाली दल को गठबंधन में आने का न्योता दे सकते हैं। बीते साल भी देवीलाल की जयंती पर रैली हुई थी। इस दौरान नीतीश कुमार ने सुखबीर सिंह बादल से हाथ जोड़कर अपील की थी कि वे भाजपा से मुकाबले के लिए साथ आ जाएं।

अकाली दल ने भी उठाया ऐसा कदम, जिससे बढ़ गए कयास

इस बीच अकाली दल ने भी एक ऐसा कदम उठा लिया है, जिससे माना जा रहा है कि उसने भाजपा की ओर जाने वाला रास्ता बंद कर दिया है।

नंगे पैर और घुटनों के बल; शेख हसीना से मुलाकात में ऋषि सुनक की क्यों हो रही तारीफ

नई दिल्ली। नई दिल्ली में दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन का समापन हो चुका है। भारत मंडपम् में संपन्न हुआ शिखर सम्मेलन दुनियाभर के सबसे ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों और नेताओं की भागीदारी का गवाह बना। शिखर सम्मेलन से इतर भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सादगी लोगों को भा गई है। सोशल मीडिया पर लोग उनके सरल अंदाज की वाह-वाही कर रहे हैं। पहले शिखर सम्मेलन से समय निकालकर पत्नी अक्षता संग अक्षरधाम मंदिर पहुंचना। फिर सम्मेलन के बीच बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना से उनकी मुलाकात का दृश्य। हसीना कुर्सी पर बैठीं हैं और सुनक नंगे पैर घुटनों के बल उनसे बात कर रहे हैं। दिल्ली में शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन

के साथ भारत ने दुनिया को न सिर्फ अपनी मेहमान-नवाजी दिखाई, बल्कि चीन और पाकिस्तान को कूटनीतिक मात देकर एक तीर से कई निशाने साधे। शनिवार को शिखर सम्मेलन के पहले दिन भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर का ऐलान हो गया। भारत की इस अभूतपूर्व सफलता पर चीन को मिर्ची भी लगी। ड्रैगन ने इस मामले में अमेरिका को खूब खरी-खोटी भी सुनाई। इससे इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी सादगी से सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं। लोग सुनक की तारीफ करते नहीं थक रहे। रविवार को ऋषि सुनक ने अपनी पत्नी अक्षता के साथ अक्षरधाम मंदिर में पूजा की। जी-20 समिट के बीच समय निकालकर सुनक ने अक्षरधाम मंदिर में काफी वक्त बिताया। सुनक ने कहा कि वह हिन्दू हैं और उन्हें इस बात का बहुत गर्व है।

शेख हसीना संग मुलाकात में छाए

शिखर सम्मेलन के दौरान ऋषि सुनक की एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। वह बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना संग बात कर रहे हैं। हसीना कुर्सी पर बैठीं हैं और सुनक नंगे पैर घुटनों के बल उनसे बात कर रहे हैं।

लोगों के रिएक्शन

वायरल हो रही पोस्ट को एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लोगों के खूब रिएक्शन मिल रहे हैं। अयानंशा मैत्रा नामक यूजर ने इस सोशल मीडिया पर साझा किया।

प्रकाश राज ने भी कर दी सनातन की डेंगू से तुलना, मुस्लिम कंडक्टर का दिया उदाहरण

बेंगलुरु। अभिनेता प्रकाश राज ने भी सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सनातन की तुलना बीमारियों से की। हालांकि, यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी वह धर्म को तनातन कहने के चलते विवादों में आ चुके हैं। चंद्रयान-3 की लैंडिंग से पहले भी उन्होंने ISRO के मिशन पर सवाल उठा दिए थे, जिसे लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हो गई थी। न्यूज चैनल आजतक के अनुसार, राज का कहना है कि श्रीराम के जुलूस में 18 साल के युवाओं के हाथों में चाकू और तलवार देखकर दुख हुआ। कलबुर्गी में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह सोचकर आश्चर्य होता है कि उनका ब्रेनवॉश किसने किया होगा। अभिनेता ने कहा, क्या 8 साल के बच्चे को धर्म से जोड़ना सनातन नहीं है? यह डेंगू बुखार जैसा है, जिसे खत्म किया जना जरूरी है। हम किस देश में जी रहे हैं? बीआर आंबेडकर के चलते छुआछूत गलत हो गई, लेकिन लोगों की मानसिकता नहीं जा रही। इस दौरान उन्होंने एक मुस्लिम कंडक्टर का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, कर्नाटक में एक मुस्लिम बस कंडक्टर था, जिसने टोपी पहनी हुई थी। एक महिला ने उसे हटाने के लिए कहा। ऐसा बोलने वाले लोग भी होंगे। आस-पास कौन थे, जो यह सब होते हुए देख रहे थे? कोई कंडक्टर इयप्पा माला पहनेगा, तो उसे कंडक्टर के तौर पर देखेंगे या भक्ति के जरिए। एक कंडक्टर हनुमान टोपी पहनकर बस के सुरक्षित रूप से चलने की प्रार्थना करेगा। उन्होंने आगे कहा, क्या हर कोई कपड़े उतार कर बैठ सकता है? सभी को अपने धर्मों का पालन करना चाहिए। इस देश में सभी को जीवित रहना चाहिए? समाज में सभी को रहना चाहिए।

पहले भी हो चुका है विरोध–रविवार को ही राज के कलबुर्गी आने को लेकर जमकर विरोध हुआ था। कई हिंदू समूहों ने प्रदर्शन किया और कलेक्टर और उपायुक्त को मेमोरेंडम भी सौंपा था। ये समूह राज के कथित हिंदू विरोधी बयानों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और शहर में उनके प्रवेश पर रोक की मांग कर रहे थे।। उस दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था।

गोमुत्र से की थी सफाई–कुछ सप्ताह पहले ही राज कर्नाटक के शिवमोगा पहुंच थे। उनके जाने के बाद विरोध के रूप में संगठनों ने गोमुत्र का छिड़काव किया था। चंद्रयान को लेकर भी हुए बवाल के बाद उन्हें सफाई दी थी और कहा था कि यह मलयालम जोक से जुड़ा हुआ था।

जेल गए आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू, स्पेशल रूम में रहेंगे, घर का खाना मिलेगा

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जेल चले गए हैं। CID ने उन्हें 9 सितंबर को 371 करोड़ रुपए के स्किल डेवलपमेंट स्कैम में गिरफ्तार किया था। रविवार (10 सितंबर) को चंद्रबाबू को विजयवाड़ा कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

नायडू को विजयवाड़ा से 200 किमी दूर राजमहेंद्रवरम में राजामुंद्री सेंट्रल जेल ले जाया गया। वे यहां 23 सितंबर तक रहेंगे। सुरक्षा को देखते हुए जेल में उन्हें स्पेशल रूम में रखा जाएगा। कोर्ट ने उन्हें घर का खाना और दवाइयां उपलब्ध कराने का आदेश भी दिया है।

TDP ने राज्य में बंद बुलाया, जनसेना ने समर्थन किया

चंद्रबाबू नायडू की पार्टी TDP के कार्यकर्ता पिछले दो दिनों से उनकी गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। पार्टी ने आज यानी 11 सितंबर को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया

है।

नेता-अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने इस बंद का समर्थन किया है। पवन कल्याण ने सत्ताधारी YSRCP पार्टी पर विपक्षी पार्टियों को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी राज्य में एंटी-सोशल एक्टिविटी कर रही है।

शनिवार देर रात पवन कल्याण चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में अपने समर्थकों के साथ विजयवाड़ा जा रहे थे। बीच रास्ते में उन्हें पुलिस ने रोका। विरोध में वे सड़क पर ही लेट गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया।

चंद्रबाबू बोले- राजनीतिक फायदे के लिए गलत आरोप में फंसाया गया

चंद्रबाबू के वकील ने कोर्ट को बताया कि राजनीतिक फायदे के लिए चंद्रबाबू पर गलत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के प्रावधानों की बारीकियों के बारे में बताते हुए दावा किया कि उनके खिलाफ कोई दमदार सबूत नहीं है। उन्होंने कोर्ट से अपील की कि CID की तरफ से दाखिल की गई रिमांड रिपोर्ट को रिजेक्ट कर दिया जाए।

इस पर कोर्ट ने माना है कि नायडू के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर विश्वास करने की वजहें हैं। एक दिन में इनकी जांच नहीं की जा सकती।

नायडू के जेल जाने पर आंध्र सरकार में मंत्री ने पटाखे फोड़े

चंद्रबाबू नायडू के जेल जाने के बाद वाई एस आर कांग्रेस सरकार में टूरिज्म मिनिस्टर रोजा सेल्वामणि ने अपने आवास पर पटाखे फोड़कर जश्न मनाया। रोजा ने कहा- ये बस शुरुआत है। हम चंद्रबाबू नायडू के सभी गलत कामों का पर्दाफाश करेंगे। वो अपने जीवन में जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। 2014 से 2019 तक उनके सभी घोटालों का हमारे पास सबूत है।

371 करोड़ रुपए के स्कैम में किया गया गिरफ्तार

चंद्रबाबू नायडू को स्किल डेवलपमेंट स्कैम में गिरफ्तार किया गया है। CID ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। मामला लगभग 371 करोड़ रुपए घोटाले से जुड़ा हुआ है। CBI ने 9 दिसंबर, 2021 को स्किल डेवलपमेंट घोटाला मामले में FIR दर्ज की थी। इसमें 25 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

यूपी-राजस्थान में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत उत्तर भारत के बड़े हिस्से में बारिश की वजह से तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश देखी जा रही है। वहीं राजधानी दिल्ली में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की वजह से गरमी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 11 सितंबर को भी उत्तर प्रदेश में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ में बारिश के अलर्ट की वजह से डीएम ने लोगों को घर में रहने की सलाह दी है।

कहां होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, अंडमान नीकोबार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तटी आंध्र प्रदेश और केरल में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, पूर्वी राजस्थान, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी में भी गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में भी हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है। इसके अलावा उत्तरी पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हवाओं की गति तेज रहेगी। साथ ही हल्की बारिश भी हो सकती है।

कैसा रहेगा दिल्ली का मौसम

बीते दो दिनों से राजधानी दिल्ली का मौसम सुहाना है। यहां तापमान में पांच डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है। बारिश की वजह से लोगों को उमस से खासी राहत मिली है। मौसम विभाग का

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, अंडमान नीकोबार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तटी आंध्र प्रदेश और केरल में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, पूर्वी राजस्थान, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी में भी गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में भी हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है।

अनुमान है कि सोमवार को भी बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं न्यूनतम तापमान घटकर 24 डिग्री तक जा सकता है। बता दें कि तेज हवाओं और बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली की हवा में भी काफी सुधार हुआ है।

कहां कितने दिन होगी बारिश

मौसम विभाग की मानें तो अंडमान और नीकोबार मे 10 से 13 सितंबर तक भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा झारखंड में 13 सितंबर और पश्चिम बंगाल में 14 सितंबर को मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। तटीय आंध्र प्रदेश में 14 सितंबर को और तेलंगाना में 10 से 14 सितंबर तक बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश में 11 सितंबर और महाराष्ट्र में 12 सितंबर को झमाझम बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में अभी कम से कम दो दिन बारिश का दौर जारी रहेगा। कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जी-20 का संदेश

भारत में आयोजित जी-20 के 18वें शिखर सम्मेलन की जितनी प्रशंसा की जाए, कम होगी। जब दुनिया में दो बड़े ध्रुवों के बीच प्रत्यक्ष-परोक्ष युद्ध चल रहा हो, तब किसी वैश्विक मंच पर पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए एक घोषणापत्र का जारी होना सुखद संकेत है। भारत को तन-मन-धन से अपने अथक प्रयासों के चलते ही यह कामयाबी मिली है। भारत की गुटनिरपेक्षता या स्वतंत्र चेतना ने भी शिखर सम्मेलन को सफल बनाया है। वैश्विक कूटनीति के मंच पर एक उत्तम आयोजक वही होता, जो मैत्री प्रयासों में अपनी ओर से कुछ जोड़कर दुनिया को रहने की बेहतर जगह बनाने की कोशिश को आगे बढ़ाता है। रविवार को जी-20 के आयोजन के समापन की घोषणा हो गई। ब्राजील में जब जी-20 का शिखर आयोजन होगा, तब भारत के आयोजन को याद किया जाएगा, सही मायने में तुलना होगी और दुनिया महसूस करेगी कि भारत के आयोजन में क्या खास था। आर्थिक सहयोग, पर्यावरण, आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष, गरीब देशों को आर्थिक मदद और जमीनी स्तर पर सहयोग के अनेक रास्ते नई दिल्ली में खुले हैं या प्रशस्त हुए हैं। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो घोषणाएं हुई हैं, उनसे दुनिया में बड़ा परिवर्तन संभव है। गरीब और विकासशील देशों में सुख-शांति के लिए भ्रष्ट आचरण का अंत जरूरी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक सहयोग और सूचना तंत्र को मजबूत करने पर जरूरी सहमति बनी है। एक बड़ा कदम जी-20 के देशों में बेरोजगारी दूर करने के लिए उठाया गया है। अगर इन देशों में बेरोजगारों का डाटा बेस पुख्ता तौर पर बन गया, तो कायाकल्प हो जाएगा। दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत इन्हीं देशों में मौजूद है और अब तो यह प्रतिशत और बढ़ गया है, पूरा अफ्रीका जी-20 में शामिल हो गया है। एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का नारा बुलंद करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सहित तमाम वैश्विक निकायों में सुधारों पर नए सिरे से जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि यह प्रकृति का नियम है, जो लोग समय के साथ नहीं बदलते, वे प्रासंगिकता खो देते हैं। कोई दोराय नहीं कि इस आयोजन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत की मांग मजबूत हुई है। इक्का-दुक्का देश ही अब भारत की राह में रोड़ा बन रहे हैं, उन्हें भी देर-सबेर हकीकत से रूबरू होना पड़ेगा। जी-20 के दौरान भारत की अध्यक्षता में यूरोप से भारत तक कॉरिडोर बनाने का जो फैसला हुआ है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) की घोषणा का स्वागत करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तो यहां तक कहा है कि यह हमारे इतिहास में सबसे बड़ी सहयोग परियोजना है। यह दुनिया का चेहरा बदल देगी। कुल मिलाकर, शिल्प, संस्कृति और स्वाद पर आधारित भारत का यह शिखर आयोजन दुनिया को मिलन-सद्भाव का मुखर संदेश भी है। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन के दौरान एक प्रार्थना भी की है, स्वस्ति अस्तु विश्वस्य अर्थात संपूर्ण ब्रह्मांड में सौभाग्य हो। वास्तव में, भक्त प्रह्लाद ने नरसिंह भगवान से यह प्रार्थना की थी और भगवान से यह भी अनुरोध किया था कि भगवान उनके ईर्ष्यालु पिता के प्रति भी दयालु बने रहें। विश्व कल्याण की इसी भावना से भारत ओत-प्रोत रहा है और जी-20 का 18वां शिखर सम्मेलन उसी दिशा में स्वर्णिम पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कमजोर मानसून एवं घटते निर्यात से भारत की आर्थिक विकास दर कम प्रभावित होगी

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत में विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों का विश्लेषण करने पर ध्यान में आता है कि भारत, दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अप्रेल-जून 2023 तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि चीन में 6.3 प्रतिशत, इंडोनेशिया में 5.2 प्रतिशत, रूस में 4.9 प्रतिशत, अमेरिका में 2.1 प्रतिशत, जापान में 2 प्रतिशत, दक्षिणी कोरिया में 0.9 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.4 प्रतिशत एवं जर्मनी में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के सेवा क्षेत्र में लगातार मजबूत वृद्धि दर बनी हुई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में अपनी भागीदारी को 60 प्रतिशत से ऊपर बनाए हुए है। अप्रेल-जून 2023 तिमाही में भी सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर 10.3 प्रतिशत की रही है। इसमें वित्तीय क्षेत्र, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में 12.2 प्रतिशत की वृद्धि दर भी शामिल है। इसी प्रकार व्यापार, होटेल, यातायात, कम्यूनिकेशन एवं बोरडकास्टिंग से सम्बंधित सेवाओं में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत की रही है। कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम तिमाही में 16 प्रतिशत वृद्धि दर रही थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में घटकर 7.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में भारत में सबसे तेज गति से वृद्धि दर्ज करने वाले क्षेत्र हैं - वित्तीय सेवाएं एवं रियल इस्टेट 12.2 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात 9.2 प्रतिशत, पब्लिक एडिमनिस्ट्रेशन एवं डिफेन्स 7.9 प्रतिशत, कंस्ट्रक्शन 7.9 प्रतिशत, माइनिंग 5.8 प्रतिशत एवं मैन्युफेक्चरिंग 4.7 प्रतिशत। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर को बढ़ाने के लिए अभी और कदम उठाए जाने की आवश्यकता महसूस हो रही है।

भारत से उत्पादों के निर्यात में लगातार 6ठे माह कमी दृष्टिगोचर हुई है। जुलाई 2023 माह में भी उत्पादों के निर्यात में 15.9 प्रतिशत की कमी देखी गई है। भारत से निर्यात किये जा रहे 30 मुख्य उत्पादों में से 19 उत्पादों के निर्यात में कमी दर्ज की गई है। अप्रेल-जून 2023 तिमाही में भी विभिन्न उत्पादों में निर्यात कम ही रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में उत्पन्न हो रही समस्याओं के चलते भारत से उत्पादों में निर्यात कम हो रहे हैं। जब तक इन देशों की आर्थिक स्थिति सुधरती नहीं है तब तक भारत से इन उत्पादों के निर्यात में भी सुधार की सम्भावना कम ही है।

दूसरे, भारत में अगस्त 2023 माह में मानसून की गतिविधियां बहुत कमजोर रही हैं। अगस्त 2023 माह में मानसून की वर्षा लम्बे समय के औसत की तुलना में 35 प्रतिशत कम रही है जो लगभग पिछली एक शताब्दी में अगस्त माह में सबसे कम मानसून की वर्षा है। कुल मिलाकर देश में मानसून की वर्षा सामान्य से 3 से 18 प्रतिशत तक कम रह सकती है। मानसून की वर्षा कम होने का सीधा असर देश के कृषि क्षेत्र पर पड़ेगा। खरीफ की फसल तो कुछ हद्द तक प्रभावित हुई है। देश में कम वर्षा के कारण पानी के भंडारण पर भी विपरीत असर दिखाई दे रहा है। आगे आने वाले समय में देश के कुछ भागों में पानी की कमी महसूस की जा सकती है, जिसके चलते रबी की फसल पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। परंतु, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सम्पन्न किए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत के जिन क्षेत्रों में अनाज का उत्पादन होता है, उन क्षेत्रों में मानसून का मौसम समाप्त होने के पूर्व तक शायद मानसून की वर्षा की अधिक कमी नहीं रहे। अतः वित्तीय वर्ष 2023-24 में कृषि क्षेत्र में उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक कम होगा, ऐसा जरूरी भी नहीं है।

केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों द्वारा पूंजीगत खर्चों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही कई कम्पनियों की लाभप्रदता में सुधार के चलते इन कम्पनियों ने भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि की है। इस प्रकार, सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कई कम्पनियां अब पूंजीगत खर्च के साइकल में प्रवेश कर गई हैं, इससे आगे आने वाले समय में देश के आर्थिक विकास को गति मिल सकती हैं। कोरोना महामारी के चलते पर्यटन का क्षेत्र बहुत अधिक प्रभावित हुआ था परंतु इस वर्ष पर्यटन के क्षेत्र में जबरदस्त उच्छाल देखने में आया है। इससे पर्यटन से सम्बंधित क्षेत्रों जैसे होटेल, यातायात, खुदरा व्यापार आदि में अतुलनीय गतिविधियां दृष्टिगोचर हुई हैं। इन गतिविधियों के आने वाले समय में और अधिक गति पकड़ने का अनुमान है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2023) के बाद से भी भारत के विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में विकास की गतिविधियां तेज बनी हुई हैं। इससे आभास होता है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की शेष अवधि में भी देश में विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रह सकेगी। अगस्त 2023 माह में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर जारी रही है। एसएंडपी ग्लोबल पर्चेसिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) पिछले तीन माह के उच्चत्तम स्तर 58.6 पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स विनिर्माण इकाईयों को मिल रहे नए ऑर्डर एवं इन इकाईयों में बढ़ रहे उत्पादन के चलते सम्भव हो पाया है। इसका आशय यह भी है कि आगे आने वाले समय में विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि जारी रहने की सम्भावनाएं बढ़ गई है। भारत के 8 मूलभूत उद्योग क्षेत्रों में जुलाई 2023 माह के दौरान वृद्धि दर 8 प्रतिशत की रही है, यह जून 2023 माह में, पिछले 5 माह के उच्चत्तम स्तर, 8.3 प्रतिशत रही थी। जबकि जुलाई 2022 माह में यह वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत की रही थी। उक्त 8 मूलभूत उद्योग क्षेत्र में शामिल हैं, कोयला उद्योग, स्टील उद्योग, प्राकृतिक गैस, सेमेंट उद्योग, बिजली उत्पादन, रीफाईनरी उत्पाद, फर्टिलायजर उद्योग एवं कच्चा तेल उत्पादन। जुलाई 2023 माह में इन समस्त 8 मूलभूत उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रेल-जुलाई 2023 की अवधि के दौरान संचयी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत की रही है।

अगस्त 2023 माह में चार पहिया वाहनों (व्यावसायिक वाहनों सहित) की बिक्री में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। मारुति सुजुकी कम्पनी की चार पहिया वाहनों की बिक्री 14.48 प्रतिशत से बढ़कर 1.89 लाख वाहनों की रही है। महिंद्रा कम्पनी की वाहनों की बिक्री 19 प्रतिशत से बढ़ी है तो आईशर मोटर कम्पनी की वाहनों की बिक्री 10.66 प्रतिशत से बढ़कर 77,583 के स्तर पर रही है। इसी प्रकार, अशोक लीलैंड कम्पनी की व्यावसायिक वाहनों की बिक्री 10.30 प्रतिशत से बढ़कर 15,576 के स्तर पर पहुंच गई है। व्यावसायिक वाहनों में ट्रक की बिक्री को भी शामिल किया जाता है। भारत में यदि व्यावसायिक वाहनों की बिक्री में तेजी दिखाई दे रही है तो इसका आशय यह है कि देश में व्यावसायिक गतिविधियां तेज गति से बढ़ रही हैं जिसके चलते उत्पादों को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता महसूस हो रही है और अंततः ट्रक आदि जैसे व्यावसायिक वाहनों की बिक्री भी बढ़ रही है।

अगस्त 2023 माह में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण भी 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 159,069 करोड़ रुपए का रहा है। अप्रेल 2023 में 187,035 करोड़ रुपए का, मई 2023 में 157,090 करोड़ रुपए का, जून 2023 में 161,497 करोड़ रुपए का, जुलाई 2023 में 165,105 करोड़ रुपए का एवं अगस्त 2022 में 143,612 करोड़ रुपए का वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण हुआ था।

युपीआई प्लेट्फार्म पर वित्तीय व्यवहारों की संख्या अगस्त 2023 में 1000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। अगस्त 2023 में यह व्यवहार पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान के व्यवहारों से 61 प्रतिशत अधिक रहे हैं। यह वित्तीय व्यवहार जुलाई 2023 माह में 996 करोड़ एवं जून 2023 माह में 934 करोड़ के रहे थे। यह वित्तीय व्यवहार अगस्त माह में 15.76 लाख करोड़ रुपए की राशि के रहे हैं जबकि जुलाई 2023 माह में यह 15.34 लाख करोड़ रुपए के एवं जून 2023 माह में यह 14.75 लाख करोड़ रुपए की राशि के रहे थे। अगस्त 2023 माह में किए गए इन व्यवहारों की राशि में पिछले वर्ष इसी माह में किए गए व्यवहारों की राशि की तुलना में 47 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। यह हम सभी भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को 'ग्लोबल फाइनैन्स सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2023 द्वारा+ रेटिंग प्रदान की गई है। पूरे विश्व में समस्त देशों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर के बीच श्री शक्तिकांत दास को प्रथम रैंकिंग प्रदान की गई है। हालांकि दो अन्य देशों के गवर्नर, स्विट्सर्लंड की केंद्रीय बैंक के गवर्नर श्री थोमस जोर्डन एवं वियतनाम के केंद्रीय बैंक के गवर्नर श्री नगुयेन थी हांग को भी+ रेटिंग प्राप्त हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने एवं विशेष रूप से सरकारी क्षेत्र की बैंकों की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने हेतु समय समय पर लिए गए निर्णयों की भरपूर प्रशंसा भी की गई है।

प्रदूषण स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुश्मन है

(लेखक-विजय गर्ग)

पंजाब और हिमाचल में आई बाढ़ ने हमें बता दिया है कि पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करना कितना महंगा है। प्रदूषण मुक्त वातावरण स्वस्थ जीवन का आधार बनता है। बेशक, यह संभव नहीं है कि किसी को कोई बीमारी न हो, लेकिन अपने आस-पास साफ-सफाई रखकर हम काफी हद तक बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं। बीमारियाँ न केवल शारीरिक रूप से कष्टकारी होती हैं, बल्कि चिकित्सा व्यय के मामले में भी परिवारों को प्रभावित करती हैं। छाती, फेफड़ों की बीमारी, किडनी, लीवर की विफलता, हृदयआंखों के रोग, नेत्र रोग और सबसे भयानक रोग कैंसर पर्यावरण प्रदूषण का ही परिणाम है। पर्यावरण का क्षरण मानव जीवन के लिए खतरा है। वायु प्रदूषण देश के लिए मुसीबत बन गया है. अब यह सिर्फ सर्दियों में ही नहीं बल्कि साल भर की समस्या बन गई है। देश में सबसे खराब स्थिति दिल्ली-एनसीआर की है. शिकागो विश्वविद्यालय ने वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक 2022 नामक एक रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक बांग्लादेश के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित देश है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर प्रदूषण का स्तर ठीक हो जाता हैयदि यह इससे अधिक है तो इसका वहां रहने वाले लोगों की उम्र पर कितना बुरा प्रभाव पड़ता है? प्रदूषण के कारण दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों की जीवन प्रत्याशा औसतन 10 साल कम हो रही है। अध्ययन में दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बताया गया है. जनसंख्या और शहरीकरण बढ़ने से पर्यावरण में असंतुलन महसूस होने लगा है। पिछले कई वर्षों में, जलवायु परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं क्योंकि सर्दियाँ कभी-कभी सामान्य से छोटी और हल्की होती हैं और गर्मियों में भारत के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है।ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय से बर्फ पिघलने में तेजी आने लगी है। वर्ष 2000 तक जो ग्लेशियर 22 सेमी प्रति वर्ष की दर से पिघल रहे थे, वर्ष 2000 के बाद वे 43 सेमी प्रति वर्ष की दर से पिघलने लगे हैं, यानी पहले से दोगुना। ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसके कारण पृथ्वी का तापमान 1.5 सेल्सियस की दर से बढ़ने लगा है। भारत में मानसून के आगमन और प्रस्थान के समय में भी बदलाव देखा गया है। बाढ़ से होने वाला विनाश भी पर्यावरणीय क्षरण के कारण होता है। पेड़ों की सरसराहटपेड़ों की कटाई के कारण ही हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक का उपयोग वायु गुणवत्ता के मानक को मापने के लिए किया जाता है। इस सूचकांक के अनुसार, 0-500 को छह अलग-अलग स्तरों में विभाजित किया गया है जैसे 0-50 को मनुष्यों के लिए अच्छी वायु गुणवत्ता माना जाता है जबकि 51-100 संतोषजनक है, 101-200 मध्यम है, 201 -300 का स्कोर बहुत खराब माना जाता है।, 301-400 बहुत खराब है, और 401-500 का स्कोर बहुत खराब है। हर साल अक्टूबर-नवंबर के महीने में उत्तर भारत के प्रमुख शहरों का यह सूचकांक बेहद खराब संकेत हैपार कर जाता है फिर हम समस्या का एक अल्पकालिक समाधान तलाशते हैं, जैसे वैकल्पिक दिनों में सम-विषम संख्या में वाहन चलाना, आश्रय वाले स्कूलों में बच्चों के लिए छुट्टियां, अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा वाहनों के उपयोग को पूल करना आदि। समस्या के स्थायी समाधान को लेकर कोई भी सरकार गंभीर नहीं दिख रही है। प्लास्टिक लिफाफों के प्रयोग से पर्यावरण प्रदूषित होता है। कई बार लोग कूड़े में फेंके गए ऐसे लिफाफों में आग लगा देते हैं। प्लास्टिक का धुआँ विषैला होता है (पॉलीक्लोराइनेटेड बाई फिनाइल) एक ऐसी गैस है जो मनुष्य और पौधों दोनों के स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। बरसात के दिनों में, प्लास्टिक की थैलियाँ सीवेज में पानी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करती हैं। इस्तेमाल कर सड़कों पर फेंके जाने वाले ऐसे लिफाफों को खाकर आवारा जानवर बीमार पड़ जाते हैं। पराली जलाकर हम पर्यावरण तो प्रदूषित करते ही हैं, खेतों के पास खड़े पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। आग का घना धुआं भी दुर्घटनाओं का कारण बनता है। मित्र कीड़ों की अग्नि में बलि दी जाती है। मानव जीवन की शोभा पक्षियों की विशाल संख्या हैपंजाब से पलायन कर गए हैं. रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने भूजल को प्रदूषित कर दिया है। लगभग सम्पूर्ण मालवा में भूमिगत जल पीने योग्य नहीं है। पानी में यूरेनियम की मात्रा आवश्यकता से अधिक पाई गई है। ऐसे पानी का उपयोग इंसानों, जानवरों और फसलों के लिए बेहद खतरनाक है। इस क्षेत्र में किडनी रोग और कैंसर जैसी भयानक जानलेवा बीमारियाँ फैल गई हैं। फैक्ट्रियाँ भी कचरे में रसायन मिलाकर जमीन के अंदर भेजकर जल प्रदूषण में योगदान दे रही हैं। प्रदूषण की रोकथामजब वे विभाग द्वारा पकड़े जाते हैं तो मामूली जुर्माना अदा करने के बाद दोबारा वही काम करते पकड़े जाते हैं। अनुपचारित जल को भूमिगत छोड़ना कानून द्वारा अपराध बनाया जाना चाहिए और पानी को शुद्ध करने के लिए संयंत्र के भीतर प्रावधान किया जाना चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि पर्यावरण को प्रदूषण से कैसे बचाया जाए? इसका उत्तर यह है कि सरकारों को किसानों, पर्यावरणविदों, पर्यावरण वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और ईमानदार अधिकारियों पर आधारित एक गैर-राजनीतिक समिति बनानी चाहिए जो पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए एक सर्वमान्य समाधान सुझाए। घासजैव ऊर्जा, कार्डबोर्ड, कागज, ईंधन आदि के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करने के बारे में सोचा जा सकता है। किसानों की आय को प्रभावित किए बिना कृषि विविधीकरण के लिए उनका जश्न मनाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार किया जाए। फैक्ट्री मालिकों को फैक्ट्रियों का प्रदूषण कम करने के लिए सख्ती बरतनी चाहिए। उल्लंघन करने वालों का लाइसेंस निरस्त कर हमेशा के लिए लॉक कर दिया जाए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के किसी भी स्तर के अधिकारी द्वारा कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर कड़ी सजा का प्रावधानसामाप्त करो पेड़ हमें स्वच्छ वायु देते हैं। फल, फूल, लकड़ी, अनेक औषधियाँ वृक्षों की देन हैं। पेड़ हमें बारिश रोकने और बाढ़ रोकने में मदद करते हैं। इनके लाभ को प्राथमिकता में रखते हुए नदियों, नहरों, नहरों, सड़कों और रेलवे पटरियों के आसपास सामाजिक वानिकी लगाई जानी चाहिए। प्लास्टिक के उपयोग पर 100न प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और कागज के लिफाफे, कपड़े के थैले और बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए। पर्यावरण के अनुकूल उर्वरकों, अर्ध-लेपित यूरिया आदि दवाओं का उपयोग करना चाहिए।पेट्रोल-डीजल की जगह फ्लेक्स फ्यूल इंजन वाले वाहनों का इस्तेमाल करना चाहिए। पेट्रोल के स्थान पर इथेनॉल मिश्रण जैसे वैकल्पिक ईंधन का उपयोग किया जाना चाहिए। भारत के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का यह बयान कि भारत ने 2030 तक 20न इथेनॉल मिश्रण ईंधन का लक्ष्य रखा है, स्वागतयोग्य है। दोस्त! यह जगने का समय है। यह कार्य किसी अकेले का नहीं है बल्कि हम सभी को एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी होगी।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

विचार मंथन

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 14 दिन की जेल हिरासत

(लेखक-सनत जैन)

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को न्यायालय से जमानत नहीं मिली। उन्हें 14 दिन के लिए जेल हिरासत में भेज दिया गया है। रविवार की सुबह उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की विशेष अदालत में पेश किया गया था। यह मामला आंध्र प्रदेश पुलिस ने कथित स्किल डेवलपमेंट घोटाले में चंद्रबाबू नायडू को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में 300 करोड रुपए के भ्रष्टाचार का सहआरोपी माना है। अभी तक ईड़ी द्वारा जो गिरफ्ताद्धरयां की जाती थी। उसको लेकर राजनेताओं और विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं में भय व्याप्त था लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के मामले में की गई गिरफ्तारी के बाद, न्यायालय द्वारा जमानत नहीं दिए जाने से, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 14 दिन की न्याय हिरासत में जेल जाना पड़ा है।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। यह माना जा रहा है, कि भारतीय जनता पार्टी उन्हें अपने गठबंधन में शामिल करना चाहती थी। लेकिन नायडू एनडीए गठबंधन में शामिल होने के लिए तैयार नहीं हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने हमेशा केंद्र सरकार को संसद के दोनों सदनों में, जब-जब सरकार को समर्थन की जरूरत हुई। जगन मोहन रेड्डी ने मोदी सरकार को समर्थन दिया। जिस तरह से मोदी सरकार का झुकाव चंद्रबाबू नायडू की तरफ हो रहा था। उसको लेकर चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को राजनीतिक साजिश के रूप में भी देखा जा रहा है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के विरोध में जगह-जगह प्रदर्शन हुए। उनकी गिरफ्तारी के पूर्व उनके समर्थकों ने भारी हंगामा किया। पुलिस ने उनके समर्थकों की गिरफ्तारी भी की है। गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने 10 घंटे तक उनसे पूछताछ की। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर आंध्र प्रदेश की राजनीतिक गरमा गई है। गिरफ्तारी की आंच में चंद्रबाबू नायडू झुलस गये हैं। कालांतर में इस आग की आंच में जगनमोहन रेड्डी और भारतीय जनता पार्टी के संबंधों की जांच संभावना के रूप में देखी जा रही है। राज्य विधानसभा के चुनाव और लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए, सभी राज्यों में राजनीतिक समीकरण के आधार पर इस तरह की कार्यवाही तेज होगी। केंद्र सरकार के पास, ईडी सीबीआई जांच एजेंसी है। राज्य सरकार भी अब अपने इन्हीं अधिकारों का उपयोग भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के माध्यम से विपक्षियों पर कार्यवाही कराकर अपने विरोधियों को भ्रष्टाचारी साबित कर राजनीतिक लाभ लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भविष्य में इसका बड़ा असर भारतीय राजनीति में पड़ना तय है।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद अन्य राज्यों में भी इसी तरह से विपक्षी दलों के नेताओं पर, जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। उन पर कार्रवाई किए जाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। कर्नाटक राज्य भी इस दिशा में आगे बढ़ गया है। जहां पर गैर भाजपा शासित राज्य हैं। वहां के मुख्यमंत्री भी अब भ्रष्टाचार निरोधक कानून का उपयोग विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं को ठिकाने लगाने में कर सकते हैं। इसकी आंच में झारखंड,

छत्तीसगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, हिमाचल इत्यादि राज्यों के भाजपा नेता भी झुलस सकते हैं। उक्त राज्यों में भाजपा की सरकारें थी। उनके उपर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे है। भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत अब विपक्षियों को कानून के मकड़जाल में फंसाकर गिरफ्तारी कराकर एक-दूसरे के साथ मुकाबले में खड़े होने की राजनीति शुरू हो गई है।

एक-दूसरे के जांच के घर में पत्थर मारकर नुकसान पहुंचाने से जनता को अपने नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी भी हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हम भारत में और अधिक पहुंच स्थापित करते रहेंगे: टोनी फर्नांडीस

सिंगापुर । कुआलालंपुर स्थित कैपिटल-ए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टोनी फर्नांडीस ने कहा कि कंपनी भारतीय बाजार को लेकर बहुत उत्साहित है। कैपिटल-ए के पास एयरलाइन एयर एशिया का स्वामित्व है। कैपिटल-ए ने पिछले साल अपनी भारतीय एयरलाइन अनुषंगी कंपनी टाटा समूह को बेच दी थी। टोनी फर्नांडीस ने कहा कि हम टाटा समूह के साथ काम कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि आगे भी उसके साथ मिलकर काफी कुछ करेंगे। उन्होंने कहा कि हम बस उड़ान संचालित कर रहे हैं और पर्यटकों को देश में ला रहे हैं। भारतीय पर्यटकों को अन्य गंतव्यों तक ले जा रहे हैं। भारत में एयर एशिया करीब 15 स्थानों से विमान सेवाएं संचालित करती है। हाल ही में उसने अमृतसर और मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बीच विमान सेवा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि हम भारत में और अधिक पहुंच स्थापित करते रहेंगे।

जीक्यूजी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सीईओ वैद्यनाथन से खरीदे 5 करोड़ शेयर

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा कि जीक्यूजी पार्टनर्स ने ब्लॉक डील के जरिए बैंक के 5.07 करोड़ शेयर खरीदे हैं। जीक्यूजी पार्टनर्स ने आईडीएफसी फस्ट्र बैंक के एमडी और सीईओ वी वैद्यनाथन से बैंक के ये शेयर खरीदे हैं। इस वजह से सोमवार को शुरुआती कारोबार में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर में उछाल देखने को मिला। कैपिटल फर्स्ट एवं आईडीएफसी बैंक के बीच दिसंबर 2018 में हुए मर्जर के तहत वैद्यनाथन को स्टॉक ऑप्शन्स मिले थे। ये ऑप्शन्स की एक्सपायरी की तारीख अब नजदीक आ रही थी। ऐसे में वह बैंक को एक्सरसाइज प्राइस के भुगतान के साथ अपने स्टॉक ऑप्शन को एक्सरसाइज कर रहे हैं। इससे पहले एक सितंबर को जीक्यूजी पार्टनर्स ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में बड़ा निवेश किया था। उस दौरान जीक्यूजी पार्टनर्स ने 1,527 करोड़ रुपए के निवेश के साथ बैंक के 17.1 करोड़ शेयर या 2.58 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था। यह ट्रांजैक्शन 89 रुपए प्रति शेयर की दर पर हुई थी। इस बैंकिंग स्टॉक में सोमवार को 1.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.81 रुपए के स्तर पर ट्रेडिंग हो रही थी। इससे पहले दिन के कारोबार के दौरान कंपनी का स्टॉक 97.40 रुपए स्तर तक पहुंच गया था।

वित्त मंत्री ने की अजय बंगा और एडीबी प्रेसिडेंट मासासुगु असकावा से मुलाकात

- बहुपक्षीय विकास बैंकों द्वारा पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क के उपायों को तेजी से लागू करने का आह्वान किया

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से इतर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रेसिडेंट मासासुगु असकावा से मुलाकात की और बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) द्वारा पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क के उपायों को तेजी से लागू करने का आह्वान किया। बंगा और सीतारमण ने जी-20 इंडिया प्रेसीडेंसी के परिणामों, वर्ल्ड बैंक ग्रुप के विकास और नॉलेज के आदान-प्रदान और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए फाइनैंशियल सहायता के माध्यम से भारत के साथ उनके जुड़ाव सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि सीतारमण ने कहा कि वह बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने पर इंडिपेंडेंट एक्सपर्ट्स ग्रुप के वॉल्यूम -1 में शामिल ट्रिपल एजेंडे पर सिफारिशों को आगे बढ़ाने में बंगा के नेतृत्व की आशा करती हैं। सीतारमण और बंगा ने कहा कि वे रिपोर्ट के वॉल्यूम 2 का इंतजार कर रहे हैं जो अक्टूबर में मोरक्को में चौथे वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर्स की बैठक के दौरान सब्मिट किया जाएगा। बैठक के दौरान, बंगा ने सामाजिक प्रभाव को अधिकतम करने के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मांग पक्ष से एक मार्केट स्ट्रक्चर बनाने के लिए वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के साथ मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

सोना महंगा, चांदी की कीमत में भी तेजी

- सोना 59,000 रुपए और चांदी 71,700 रुपए

मुंबई ।

इस सप्ताह सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 59,000 रुपए के करीब, चांदी के वायदा भाव 72,000 रुपए से नीचे कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 148 रुपए की तेजी के साथ 71,711 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 194 रुपए की तेजी के साथ 71,757 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,790 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 71,700 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 32 रुपए की तेजी के साथ 58,930 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपए की तेजी के साथ 58,954 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,959 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 58,930 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी गई। कॉमेक्स पर सोना 1943.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1942.70 डॉलर था। फिलहाल यह 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 1946.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.19 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद प्राइस 23.17 डॉलर था।

अक्टूबर तक डिजिटल रुपए की शुरुआत कर सकता है आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अक्टूबर तक कॉल मनी मार्केट में प्रायोगिक रूप से डिजिटल रुपए की शुरुआत कर सकता है। केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक अजय कुमार चौधरी ने यह बात कही। थोक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी), जिसे डिजिटल रुपया-थोक (ई-डब्ल्यू) के रूप में जाना जाता है, की शुरुआत एक नवंबर, 2022 को हुई थी। इसका उपयोग सरकारी प्रतिभूतियों में द्वितीयक बाजार लेनदेन के निपटान तक सीमित था। चौधरी ने कहा कि रिजर्व बैंक इस महीने या अगले महीने कॉल बाजार में थोक सीबीडीसी की पेशकश करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2022-23 में सीबीडीसी की शुरुआत की घोषणा की थी। वित्त विधेयक, 2022 के पारित होने के साथ आरबीआई अधिनियम, 1934 की संबंधित धारा में इसके लिए जरूरी संशोधन किए गए थे। आरबीआई ने थोक सीबीडीसी की अपनी प्रायोगिक परियोजना के लिए नौ बैंकों- भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी को चुना है।

एसबीआई ने पेश किया नया नेशन फर्स्ट ट्रांसिट कॉर्ड

मुंबई । देश के प्रमुख भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने नया कार्ड पेश किया है जो नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड है। ये कार्ड ग्राहक ट्रांसपोर्ट के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। ये एक रुपे प्रीपेड कार्य है। ये नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के साथ काम करता है। इस कार्ड का उपयोग मेट्रो कार्ड, बस, पार्किंग में डिजिटल पेमेंट के लिए हो सकता है। एसबीआई का ये नया कार्ड मेट्रो, बसों, वॉटर पेरी, पार्किंग आदि के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। कई स्टोर और ई-कॉमर्स साइटों ने भी कार्ड से भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया है। ये कार्ड कई जगहों पर उपयोग में लाया जा सकता है इसलिए ये ग्राहकों के लिए बेहद उपयोगी है। एसबीआई के चैयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बताया कि यह कार्ड नेशनल विजन के साथ पेश किया गया है। रुपे और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) तकनीक द्वारा संचालित नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड, आवागमन के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। इसे वन नेशन वन कार्ड के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया है बता दें कि इस कार्ड को मुंबई में लॉन्च किया गया है।

शेयर बाजार में भारी उछाल,

नफ्टी पहली बार 20,000 अंक के पार पहुंचा

सेंसेक्स भी रिकार्ड 67127 अंकों पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार में सोमवार को भारी तेजी दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों के बाद भी घरेलू स्तर पर खरीददारी हावी होने से बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी नये रिकार्ड के साथ बंद हुए। पहली बार 50 शेयरों वाला निफ्टी 20,000 अंक के पार पहुंच गया हालांकि कारोबार बंद होने से पहले ये 176.40 अंक बढ़कर अंत में 19996.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इस बढ़त का कारण भारतीय कंपनियों का विदेशी प्रतियोगियों से बेहतर प्रदर्शन रहा है। वहीं तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स भी पहली बार 67,146 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स 528.17 अंक ऊपर आकर 67127.08 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों की ओर से हुई अच्छी खरीदारी से भी निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स में बढ़ोतरी हुई है।

इसके साथ ही सरकारी बैंकों की तेजी से भी बाजार में उत्साह रहा। इससे पहले शुक्रवार को बाजार में लगातार छठे दिन तेजी दर्ज की गई थी। भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज सुबह से ही बाजार में खरीदारी का माहौल दिखा। निफ्टी 50 से पहले निफ्टी फ्यूचर भी 20,000 के आंकड़े को पार कर गया था। निफ्टी आज दिन के कारोबार में एक समय 20,008 तक पहुंचा था पर बाजार बंद होने तक यह गिरकर 19,996 पर पहुंच गया।

निफ्टी और सेंसेक्स पिछले हफ्ते 2 फीसदी बढ़े थे। बाजार में हाल के दिनों में लगातार तेजी बनी हुई है। सितंबर में भी अभी तक निफ्टी 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया है। गौरतलब है कि सितंबर के पहले कारोबारी हफ्ते में एफपीआई शुद्ध बिकवाल बनकर उभरे हैं। ऐसा पिछले 6 महीने में पहली बार हुआ। इसके बाद भी निफ्टी ने रिकार्ड बनाया है। बाजार जानकारों के अनुसार जीएसटी कलेक्शन का अच्छा डाटा, निजी कैपिटल एक्सपेंडिचर और क्रेडिट ग्रोथ और अगस्त के परचेसिंग मैनेजर इंडेक्स ने दिखाया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था महंगाई, बढ़ती ब्याज दरों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, खराब मॉनसून और वैश्विक सुस्ती के बाद भी टिकी रही। अप्रैल से अब तक निफ्टी 17 फीसदी बढ़ा है। इस दौरान 18.9 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 33,397 करोड़ का निवेश किया। इस बीच मिड और स्मॉल कैप में तो जबरदस्त तेजी देखने को मिली. मिड कैप जहां 41 फीसदी बढ़े तो स्मॉल कैप शेरों में 47 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया.

आज निफ्टी 50 पर सबसे ज्यादा कमाई वाला शेयर अडानी पोर्ट्स रहा। इसने आज 7.10 फीसदी का उछाल हासिल किया। इसके बाद अडानी एंटरप्राइजेज में 3.68 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा एक्सिस बैंक, अपोलो हॉस्पिटल और पावर ग्रिड अन्य 3 शेयर रहे जो आज शीर्ष 5 लाभ वाले शेयरों में रहे। वहीं सबसे ज्यादा गिरावट कोल इंडिया के शेयरों में 1.15 फीसदी रही। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी और एलटी के शेयर भी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स पर 200.86 अंक की तेजी के साथ 66,799.77 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

एनसीएलएटी ने खारिज की विप्रो के खिलाफ दिवाला कार्यवाही की याचिका

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने विप्रो लिमिटेड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक परिचालन ऋणदाता की याचिका खारिज कर दी है। अपीलीय न्यायाधिकरण की दो-सदस्यीय चेन्नई पीठ ने पहले कहा था कि विप्रो और याचिकाकर्ता के बीच भुगतान को लेकर पहले से ही विवाद था। उन्होंने पाया कि दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) लेनदारों के लिए महज वसूली कानून होने के लिए नहीं बनाई गई है। एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आदेश को बरकरार रखा है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने 16 जनवरी, 2020 को परिचालन ऋणदाता ट्राइकोलाइट इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज की याचिका खारिज कर दी थी। इस आदेश को दिल्ली स्थित परिचालन ऋणदाता एलटी/एचटी इलेक्ट्रिक पैनल्स के निर्माता ने अपीलीय निकाय एनसीएलएटी के समक्ष चुनौती दी थी। हालांकि एनसीएलएटी ने यह देखकर इसे खारिज कर दिया कि हम इस बात

से संतुष्ट हैं कि प्रतिवादी कंपनी (विप्रो) द्वारा कुल चालान राशि का तीन प्रतिशत रोकना वास्तव में एक विवाद था। आईबीसी के तहत किसी भी कॉरपोरेट देनदार के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया आम तौर पर केवल स्पष्ट मामलों में शुरू की जाती है, जहां पार्टियों के बीच बकाया कर्ज को लेकर कोई वास्तविक विवाद नहीं होता है।

ईवी चार्जिंग कॉस्ट के मामले में भारत तीसरा सबसे सस्ता देश

-ताजा स्टडी में काफी दिलचस्प आंकड़े सामने आए

नई दिल्ली । कुछ सालों में इंडिया में लगभग सभी बड़ी कार निर्माता कंपनियों ने अपने इलेक्ट्रिक कारों के मॉडल्स लॉन्च किए हैं। पॉपुलर ब्रांड्स अपनी बेस्ट सेलिंग कारों को भी इलेक्ट्रिक अवतार में बाजार में उतार रहे हैं।अब एक स्टडी में काफी दिलचस्प आंकड़े सामने आए हैं। इस स्टडी में दुनिया के बड़े ऑटोमोबाइल बाजारों में चार्जिंग कॉस्ट की जानकारी दी गई है। इस स्टडी के मुताबिक ईवी चार्जिंग कॉस्ट के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे सस्ता देश है।ऑस्ट्रेलिया की एग्रिगेटर कंपनी 'कंपेयर द मार्केट' ने यह स्टडी जारी की है।इसके मुताबिक अर्जेंटीना, मलेशिया और इंडिया दुनिया में चीप ईवी चार्जिंग के मामले में सबसे आगे हैं।यहां ईवी चार्जिंग कॉस्ट दुनिया के बाकी देशों की तुलना में काफी कम है।बात करें इस मामले में सबसे महंगे देशों की तो डेनमार्क, इटली और जर्मनी इस मामले में सबसे महंगे देश हैं।इस स्टडी को अलग देशों में कोना इलेक्ट्रिक की चार्जिंग कॉस्ट के आधार पर तैयार किया गया है। भारत में दुनिया में सस्ती चार्जिंग के मामले में तीसरे नंबर है और इसी के साथ ही यहां ईवी की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है।सिर्फ कार ही नहीं बल्कि टू-व्हीलर के मामले में भी यहां लगातार नए मॉडल्स बाजार में उतारे जा रहे हैं.। हम सभी को पता है कि पेट्रोल और डीजल मॉडल्स की तुलना में इलेक्ट्रिक कारों की रनिंग कॉस्ट कहीं कम होती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ शहरों में बदलीं

- ब्रेंट क्रूड का दाम बढ़कर 90.25 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई हैं। इसका असर सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा। आज सुबह कई शहरों में तेल के खुदरा दाम बदल गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के मेट्रो शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 96.76 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल यहां 14 पैसे गिरकर 89.96 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 30 पैसे महंगा हुआ जो 107.54 रुपए लीटर हो गया है। डीजल 28 पैसे चढ़कर 94.32 रुपए लीटर बिक रहा है। जयपुर में पेट्रोल का भाव 40 पैसे बढ़कर 108.48 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 36 पैसे बढ़कर 93.32 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है।

ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड का दाम बढ़कर 90.25 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी चढ़कर 86.84 डॉलर प्रति बैरल

हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपए और डीजल 94.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.32 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सिप्ला सौदे के लिए शेयर गिरवी रख पैसे जुटाने की योजना बना सकते हैं टॉरेंट के प्रमोटर

- टॉरेंट पावर में टॉरेंट समूह के प्रवर्तकों की 53.6 फीसदी हिस्सेदारी है

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद की टॉरेंट समूह का प्रवर्तक मेहता परिवार प्रतिस्पर्धी फार्मा कंपनी सिप्ला का अधिग्रहण करने के लिए विदेशी बैंकों से पैसे जुटा सकता है। बैंकरों ने कहा कि विदेशी बैंकों से पूंजी जुटाने के लिए टॉरेंट के प्रवर्तक (प्रमोटर) सूचीबद्ध बिजली उत्पादन इकाई टॉरेंट पावर में अपनी हिस्सेदारी को गिरवी रख सकते हैं। टॉरेंट पावर में टॉरेंट समूह के प्रवर्तकों की 53.6 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसका मूल्य बीते शुक्रवार को बंद शेयर भाव के आधार पर 18,643 करोड़ रुपए बैठता है। ऐसे में यह मेहता के लिए पूंजी जुटाने का महत्त्वपूर्ण जरिया हो सकता है। बैंकरों का अनुमान है कि टॉरेंट को सिप्ला के प्रवर्तकों से 33.5 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने और 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए खुली पेशकश के लिए करीब 7.3 अरब डॉलर की जरूरत होगी। इसके अलावा टॉरेंट के प्रवर्तकों की टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स में 71.25 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में वह पूंजी जुटाने के लिए कंपनी की कुछ हिस्सेदारी भी बेच सकते हैं। बीते शुक्रवार को बंद भाव के आधार पर टॉरेंट फार्मा में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी का मूल्य करीब 45,162 करोड़ रुपए था। विश्लेषकों ने उम्मीद जताई कि सिप्ला के अधिग्रहण के वास्ते टॉरेंट के प्रवर्तक निजी इक्विटी (पीई) भागीदारों के साथ मिलकर 2.8 अरब डॉलर इक्विटी के तौर पर निवेश कर सकते हैं और 4.3 अरब डॉलर कर्ज से जुटाया जा सकता है। टॉरेंट समूह के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एक सूत्र ने बताया कि समूह अपने गैस वितरण कारोबार को 2025 तक सूचीबद्ध (लिस्ट) कराकर भी पूंजी जुटाने की योजना बना रहा है। गैस वितरण कारोबार का स्वामित्व प्रवर्तक परिवार के पास है। इस कंपनी को देश के 34 जिलों में गैस वितरण का लाइसेंस मिला है और इसे सूचीबद्ध कराने से प्रवर्तकों को सिप्ला के अधिग्रहण के लिए लिए जाने वाले कर्ज को कम करने में मदद मिल सकती है। टॉरेंट समूह ने सिप्ला के प्रवर्तकों को गैर-बाध्यकारी पेशकश की है, जिस पर सिप्ला की ओर से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है।

अपडेटेड टाटा नेक्सॉन की कीमत का खुलासा 24 को

- इलेक्ट्रिक कार की बुकिंग हो चुकी है शुरु

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपडेटेड टाटा नेक्सॉन की कीमत से 14 सितंबर को पर्दा उठा देगी। इसी तारीख को कंपनी आईसीई इंजन वाली नेक्सॉन की कीमत की भी घोषणा करेगी। नई नेक्सॉन भी बुकिंग्स आज से शुरू हो गई हैं। इसकी प्री-बुकिंग ऑथराइज्ड डीलरशिप पर शुरू हो चुकी है।इसकी बुकिंग के लिए आपको 21,000 रुपये टोकन मनी देनी होगी।यह कार 3 ट्रिम्स में सेल के लिए उपलब्ध होगी जिन्हें क्रिएटिव, फियरलेस और एंपावर्ड नाम दिया गया है।2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिपफट रेंज के आधार पर 2 वेरियंट्स में उपलब्ध होगी।मीडियम रेंज वेरियंट और लॉन्ग रेंज वेरियंट।बात करें इस नेक्सॉन के एक्सटीरियर की तो इस कार फ्रंट यानी सामने के लुक में बदलाव किए गए हैं जिससे फेसलिफ्ट मॉडल को एक फ्रेश लुक दिया जा सके।इस नई नेक्सॉन की डिजाइन काफी हद तक क्रूव एमपीवी से मिलती है जो आने वाले वक्त में भारतीय बाजार में लॉन्च की जाएगी।नेक्सआन नेक्सॉन.ईवी इसके पेट्रोल मॉडल की तुलना में ज्यादा फ्यूचरिस्टिक नजर आती है। कार का लेटेस्ट फेसलिफ्ट इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, 9 स्पीकर ऑडियो, 6 एयरबैग, ईएससी,ईपीबी, ऑटो होल्ड फंक्शन, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, क्रूज कंट्रोल जैसे तमाम लेटेस्ट फीचर्स इस कार में आपको मिलेंगे।इसकी मार्केट मे सीधी टक्कर महिंद्रा एक्सयूवी400 और एमजी झेड ईवी जैसी कारों से होती है। इस कार में एलईडी डे टाइम रनिंग लाइट, नए डिजाइन से लैस अलॉय व्हील्स भी इस कार में दिए गए हैं।इसके अलावा इसमें एक शट-ऑफ फ्रंट ग्रिल, ब्रांड न्यू फ्रंट और रियर बंपर्स दिए गए हैं।

डिजिटल रुपए से कर सकते हैं यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली ।

देश के कई ऐसे बैंक हैं तो अपने ग्राहकों को यूपीआई क्यूआर कोड सीबीडीसी इंटरऑपरेबिलिटी की सुविधा दे रहे हैं। आप चुनिंदा बैंकों के ऐप के जरिए यूपीआई क्यू कोड को स्कैन कर सकते हैं और पेमेंट अपने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी/डिजिटल रुपए से कर सकते हैं। अब दुकानदार सीबीडीसी मर्चेंट के रूप में शामिल हुए बिना अपने मौजूदा क्यूआर पेमेंट एक्सेप्टेंस टर्मिनल का इस्तेमाल करके ग्राहकों से डिजिटल रुपया पेमेंट ले सकते हैं। यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन करके सीबीडीसी से पेमेंट की सुविधा 7 बैंकों में मौजूद हैं- बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यस बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक। डिजिटल रुपया/सीबीडीसी कागजी नोट का ही एक डिजिटल वर्जन है। यह ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आधारित है। ट्रांजैक्शन के लिए आप इस डिजिटल रुपए का इस्तेमाल कर सकेंगे। यह ट्रांजैक्शन आपको डिजिटली करना होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2022-23 में सीबीडीसी की शुरुआत की घोषणा की थी। आरबीआई ने पिछले साल सीबीडीसी या डिजिटल रुपया के इस्तेमाल को लेकर पायलट परीक्षण किया था। शुरुआती दौर में सीबीडीसी के होलसेल इस्तेमाल का परीक्षण किया गया था और बाद में रिटेल उपयोग को भी परखा गया। फिलहाल डिजिटल रुपया पायलट प्रोजेक्ट के स्टेज में है। केवल वे लोग जो कि अपने बैंक की तरफ से ई-रूपी नेटवर्क में शामिल किए गए हैं वे ही इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने मोबाइल में बैंकों की ओर से जारी डिजिटल रुपया ऐप भी डाउनलोड करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट की एशिया कप 2012 की पारी, रोहित के दोहरे शतकों से बेहतर : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा है कि विराट की एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन रनों की पारी रोहित शर्मा के दौहरे शतकों से भी बड़ी है। गंभीर ने ये बातें भारत और पाक मैच के दौरान कहीं। गंभीर का मानना है कि विराट की कठिन हालातों के बीच खेली गयी पारी एकदिवसीय में रोहित द्वारा बनाए गए कई दोहरे शतकों से भी बेहतर रही। उनका कारण यह था कि 300 से अधिक रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने भारी दबाव के बीच ये पारी खेली थी। तब गंभीर का विकेट शुरुआत में गिरने से भी भारतीय टीम पर अतिरिक्त दबाव पड़ गया था। गंभीर का मानना है कि जहां रोहित की पारी में व्यक्तिगत रूप से अधिक रन हैं। वहीं इसके बाद भी कोहली की पारी उनसे कहीं बेहतर कही जा सकती है। 2012 के एशिया कप में विराट ने पाक के खिलाफ शानदार पारी खेली थी। तब 330 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विकेटों के पतन के बीच भी विराट एक छोर पर डटे रहे और उन्होंने 148 गेंदों में 22 चौकों और एक छक्के की मदद से 183 रन बनायी। इसी कारण भारतीय टीम ये मैच जीतने में सफल रही थी।

विराट कोहली ने जड़ी 77वीं सेंचुरी, तोड़ दिया सचिन तेंदुलकर का ये वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

एशिया कप 2023 के सुपर-चार स्टेज में भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से हुआ है. कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली का जलवा देखने को मिला. कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर की 77वीं एवं वनडे इंटरनेशनल की 47वीं सेंचुरी पूरी की. विराट कोहली ने 94 गेंदों पर 122 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और तीन छक्के शामिल रहे. इस पारी के दौरान कोहली वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज 13 हजार रन पूरा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. विराट कोहली ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. सचिन तेंदुलकर ने 321 पारियों में 13 हजार रन पूरे किए थे. वहीं विराट ने ये उपलब्धि हासिल करने के लिए महज 267 पारियां ली हैं. अब विराट ने भी अपने आदर्श सर्चिन तेंदुलकर की तरह इस मैच में शतक जड़कर 13 हजार रन पूरे कर लिए, वो भी पाकिस्तान के खिलाफ. कोहली-सचिन के अलावा रिकी पोंटिंग, सनथ जयसूर्या और कुमार संगकारा ही वनडे इंटरनेशनल में 13 हजार रन पूरे कर पाए थे. पोंटिंग ने 341वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की थी. वहीं कुमार संगकारा ने 363वीं पारी में यह कीर्तिमान रचा था. वहीं सनथ जयसूर्या ने 416वीं पारी में यह कारनामा कर दिखाया था.वैसे यह एक गजब संयोग है कि 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर ने भी 13 हजार रन पाकिस्तान के खिलाफ पूरे कर किए थे. उन्होंने 16 मार्च 2004 को रावलपिंडी में 330 मैच की 321वीं पारी में ऐसा किया था. उस मैच में सचिन ने 141 रनों की आतिशी पारी खेली थी. जिसकी बदौलत भारत ने पाकिस्तान को 12 रनों से हराया था. विराट ने अब तक 278 वनडे मैच खेले हैं, इनमें उनके बल्ले से13024 रन आए हैं. विराट का वनडे में उच्चतम स्कोर 183 और एवरेज 57.62 का रहा है, जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ही बनाया है. वो 47 शतक और 65 अर्धशतक भी जड़ चुके हैं. कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 15 वनडे खेले हैं, इनमें उनके नाम 622 रन हैं.

जोकोविच ने रिकार्ड 24वां एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

न्यूयॉर्क ।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन टेनिस के फाइनल में रुस के दानिल मेदवेदेव को हराकर अपना रिकार्ड 24वां एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। जोकोविच और मेदवेदेव के बीच ये मुकाबला करीब दो घंटे चला जिसके बाद जोकोविच ने 6-3, 7-6, 6-3 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। जीत के बाद उत्साहित जोकोविच कोर्ट पर ही बैठ गए। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'मैने कभी सोचा भी नहीं था कि यहां खड़े होकर 24वें ग्रैंडस्लैम के बारे में बात करूंगा। मुझे कभी नहीं लगा था कि यह सपना सच होगा। ओपन युग में सबसे अधिक उम्र के इस चैम्पियन खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले कुछ साल में मुझे लगने लगा था कि शायद मैं ऐसा कर सकता हूं। शायद इतिहास रच सकता हूं। इस जीत के साथ ही वह महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स के 23 ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकार्ड से आगे निकल गये हैं। ओपन युग में 24 ग्रैंडस्लैम जीतने वाले वह अकेले खिलाड़ी हैं।

बुमराह को शाहीन ने बधाई के साथ ही दिया उपहार

कोलंबो ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पिता बनने पर बधाई देने के साथ ही एक उपहार भी दिया। शाहीन सुपर ओवर के पहले दिन जब मैच नहीं हो पाया तो उसके बाद बुमराह के पास पहुंचे। उन्होंने बुमराह को पिता बनने पर बधाई दी और इसके साथ ही एक उपहार भी दिया। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ट्विटर पर इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें शाहीन बुमराह को बधाई देते हुए नजर आ रहे हैं। इसपर बुमराह ने भी धन्यवाद के साथ ही उन्हें खुशी से जवाब भी दिया। बुमराह पिता बनने के कारण ही नेपाल के खिलाफ ग्रुप चरण का मुकाबला नहीं खेल पाये थे क्योंकि तब वह अपने परिवार के साथ रहने के लिए मुंबई लौट गए थे। पिता बनने के बाद बुमराह ने सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत पोस्ट भी डाली थी। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, हमारा छोटा परिवार बड़ा हो गया है और हमारा दिल जितना हमने कभी सोचा था उससे कहीं अधिक भरा हुआ है! आज सुबह हमने अपने बेटे अंगद का दुनिया में स्वागत किया। हम 7वें आसमान पर हैं और हमारे जीवन का यह नया अध्याय अपने साथ जो कुछ भी लेकर आएगा हम उसका और इंतजार नहीं कर सकते।

न्यूजीलैंड ने एकदिवसीय विश्व कप के लिए घोषित की टीम , विलियमसन की वापसी

साउदी और रवींद्र भी शामिल

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। बोर्ड ने सोशल मीडिया और वेबसाइट के माध्यम से विश्व कप टीम की आधिकारिक घोषणा के बाद क्रिकेटरों के परिवार के सदस्यों का एक वीडियो भी जारी किया वे एक-एक करके खिलाड़ियों का परिचय देते दिखे। जहां कुछ खिलाड़ियों का परिचय उनकी पत्नी या दोस्त करा रही थीं, जबकि अन्य का परिचय उनके बच्चे या मां, दादी आदि ने कराया। जैसे ही क्रिकेटरों के नाम घोषित हुए उनके परिजनों के चेहरे खिल उठे। टीम में कप्तान केन विलियमसन की की वापसी हुई है। विलियमसन आईपीएल में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। हाल ही में उन्हें कोच ने तय समय के अंदर अपनी फिटनेस साबित करने को कहा था जिसमें वह सफल रहे।

इसके अलावा भारतीय मूल के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी को भी टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज टिम साउदी को भी टीम में जगह मिली है।

विलियमसन और साउदी दोनों अपना चौथा विश्वकप खेलेंगे। सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों में शानदार फॉर्म करने वाले मार्क चैपमैन को भी टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा युवा स्पिन ऑलराउंडर रचिन रवींद्र को भी टीम में जगह मिली है। एकमात्र विकेटकीपर के रूप में टॉम लैथम को रखा गया है। एडम मिल्ने जिन्हें इंग्लैंड दौरे पर हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी वह भी टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। विश्वकप में न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को गत विजेता इंग्लैंड से होगा।

न्यूजीलैंड टीम इस प्रकार है = केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिच सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी, विल युवा।

संक्षिप्त समाचार

मोईन 100 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तीसरे स्पिनर बने

साउथेम्प्टन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह देश के तीसरे स्पिनर हैं। इस मैच में मोइन ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 6.00 की इकोनॉमी रेट से पांच ओवरों में 30 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने ऑलराउंडर डेरिल मिशेल और मिशेल सेंटनर को पेवेलियन भेजा। मोईन ने 32 गेंदों पर 33 रन बनाये जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। अब 130 एकदिवसीय क्रिकेट मैचों में मोईन के 49.20 के औसत से 101 विकेट हो गये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा चार विकेट पर 46 रन है। मोईन से अधिक एकदिवसीय विकेट लेने वाले स्पिनर इंग्लैंड के ग्रीम स्वान हैं। स्वान के नाम 79 मैचों में 104 विकेट हैं। वहीं आदिल राशिद के नाम 126 मैचों में 184 विकेट हैं। आदिल इंग्लैंड के अब तक के तीसरे सबसे सफल एकदिवसीय स्पिनर हैं जबकि मोईन चौथे स्थान पर हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम को किंग्स कप में नहीं मिला कोई पदक

चियांग माई । भारतीय फुटबॉल टीम 49वीं किंग्स कप फुटबॉल प्रतियोगिता में पदक जीतने में विफल रही है। भारतीय टीम को तीसरे स्थान के लिए हुए एक संघर्षपूर्ण प्लेऑफ मुकाबले में लेबनान ने एक गोल से हराया। लेबनान की ओर से कसम अल ज़ीन ने 77वें मिनट में एक गोल किया। जिससे उसे 1-0 की बढ़त मिल गयी। भारतीय टीम ने इसके बाद बराबरी के कई प्रयास किये पर विफल रही। इस मुकाबले के पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी थी। 48वें मिनट में विरोधी टीम ने गोल का प्रयास किया पर भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ने उसे विफल कर दिया। 69वें मिनट में भारतीय टीम की ओर से ब्रैंडन फर्नांडिस और राहुल केपी ने गोल के लिए अच्छा प्रयास किया पर लेबनान के गोलकीपर खलील ने उसे बचा लिया। भारत को 79वें मिनट में एक और अवसर मिला। तब लालियानजुआला चांग्ते और निखिल राज ने शानदार मूव बनाया और गोल पोस्ट के करीब पहुंच गये। लालियानजुआला ने डी के अंदर जबरदस्त शॉट लगाया पर गेंद ऊपर से निकल गयी। अंतिम क्षणों में भी भारतीय टीम ने गोल के प्रयास किये पर लेबनान के गोलकीपर ने उसे रोक लिया।

ईशान किशन को भारतीय टीम के लिए पारी का आगाज करना चाहिए: भारत के पूर्व बल्लेबाज

मुंबई।

मध्यक्रम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने विकेटकीपर ईशान किशन का समर्थन करते हुए कहा कि 25 साल के इस बल्लेबाज को भारतीय टीम के लिए पारी का आगाज करना चाहिए। रैना ने कहा कि टीम में किशन की मौजूदगी से माहौल सकारात्मक रहता है और वह टीम में उसी तरह की भूमिका निभा रहे है जैसा की चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत निभाते थे। किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप चरण मैच में मुश्किल परिस्थितियों में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 82 रन की परिपक्व पारी खेली थी। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज हालांकि घरेलू मैचों में झारखंड और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए पारी का आगाज करता है। रैना ने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि ईशान किशन को पारी का आगाज करना होगा क्योंकि वह अपनी सकारात्मक शख्सियत से टीम का माहौल अच्छा बनाए रखता है।' भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व वामहस्त बल्लेबाज ने 2016 और 2017 में किशन के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है। रैना उस समय तत्कालीन आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात लायंस के कप्तान थे और किशन भी इस टीम का हिस्सा थे। रैना ने इस युवा खिलाड़ी के साथ बिताए अपने समय को याद करते हुए कहा, 'मैंने (आरोन) फिंच से कहा कि अगर ड्वेन स्मिथ और ब्रेंडन मैकुलम नहीं खेल रहे हैं, तो ईशान किशन को सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभानी चाहिए। मैं तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करूंगा। आप बाकी बल्लेबाजी क्रम का फैसला कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि एक मैच में उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजकोट में चार-पांच छक्के लगाए थे। इस मैच में उन्होंने जिस तरह का जज्बा दिखाया था ,टीम को उसी की जरूरत थी। ऋषभ पंत की तरह वह भी मैदान पर खुशनुमा माहौल और अच्छी 'टीम बॉन्डिंग' बनाए रखते हैं।' रैना ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने भी उन्हें इस खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'वह भी झारखंड के लिए खेलता है और उसकी धोनी से बात होती है। वहां हर कोई धोनी की तरह बनना चाहता है। झारखंड के लिए ईशान के योगदान को देखते हुए धोनी ने मुझे इस खिलाड़ी की प्रगति पर नजर रखने के लिए कहा था। भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा और शुभमन गिल सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे है।

पंड्या ओर जडेजा को लेकर मांजरेकर और वकार में हुई बहस

कोलंबो । पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कॉमेंटेटर संजय मांजरेकर और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस के बीच एशिया कप में लाइव शो के दौरान जोरदार बहस हुई । ये बहस हार्दिक पंड्या और रविन्द्र जडेजा को लेकर हुई। ये बहस इसको लेकर हुई कि क्या पंड्या और जडेजा आगामी विश्वकप में दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह की भूमिका निभा पायेंगे। एक ओर जहां मांजरेकर का मानना था कि हार्दिक और पंड्या युवराज के स्तर पर नहीं पहुंचे हैं। वहीं वकार दोनो के समर्थन में दिखे। वकार ने जहां हार्दिक की तारीफ की, वहीं मांजरेकर इससे सहमत नजर नहीं आये। वकार ने कहा, हार्दिक और जडेजा दोनों बल्ले और गेंद से अच्छे प्रदर्शन की समक्षा रखते हैं। विशेष रूप से हार्दिक ने पाक के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की है। मुझे लगता है कि वह नंबर 6 पर तूफानी बल्लेबाज हैं। पिछले मैच में हमने देखा कि वह समझदार और स्मार्ट भी हैं। पाक के साथ मैच में उन्होंने एक चैंपियन की तरह खेला। उन्होंने अपना समय लिया और जब समय सही था, उन्होंने अपना स्वाभाविक खेल दिखाया। मुझे लगता है कि नंबर 6 और 7 पर ये दोनो ही खिलाड़ी भारत को मजबूती देते हैं। यदि आप इन दोनों को अंतिम 10 ओवर देते हैं तो वे खेल को बदलने में सक्षम रहेंगे। वकार ने यह बात पाक के खिलाफ ग्रुप मैच में हार्दिक के 90 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी के लिए कही थी। इस मैच में भारतीय टीम का स्कोर एक समय चार विकेट पर 66 रन था पर हार्दिक ने ईशान किशन के साथ मिलकर 138 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को को 266 रनों तक पहुंचाया। मांजरेकर वकार से सहमत नहीं दिखे। उन्होंने कहा, युवराज यकीनन भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज ऑलराउंडर हैं। वह अपने बल पर मैच जीत सकते थे। मैं पूरे सम्मान के साथ कहना चाहूंगा कि हार्दिक और जडेजा अभी भी उस स्तर पर नहीं हैं। ये दोनों युवराज की तुलना में कहीं बेहतर गेंदबाज हैं पर बल्लेबाजी में युवराज की बराबरी नहीं कर सकते।

राहुल ने की विराट के एक रिकार्ड की बराबरी

कोलंबो । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने एकदिवसीय प्रारूप में वापसी करने के साथ ही 17 रन बनाकर अपने 2000 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही राहुल ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के भी एक रिकार्ड की बराबरी कर ली। राहुल ने एशिया कप सुपर फोर में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच के दौरान ये रन पूरे किये। इस प्रकार राहुल ने केवल 53 पारियों में ही अपने 2000 रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने भी इतनी ही पारियों में अपने 2000 रन बनाये थे। इस प्रकार ये दोनो ही संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं तीन भारतीय खिलाड़ियों ने एकदिवसीय में 2,000 रन और भी तेजी से बनाये हैं। ये हैं सलामी बल्लेबाज शिखर धवन, पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू। धवन ने केवल 48 पारियों में ही यह उपलब्धि हासिल की थी जबकि पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और सिद्धू ने 52 पारियों में अपने दो हजार रन पूरे किये थे।

मंधाना अगले माह घरेलू सत्र में महाराष्ट्र की ओर से खेलेंगी

नई दिल्ली ।

महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के घरेलू सत्र में महाराष्ट्र की ओर से खेलने की संभावना है। ये 19 अक्टूबर से अगले साल 26 जनवरी तक आयोजित होगा। इसी कारण मंधाना महिलाओं की बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में भी नहीं खेलेंगी।मंधाना ने आगामी घरेलू सत्र और व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए डब्ल्यूबीबीएल में अपना नाम नहीं भेजा था। वहीं डब्ल्यूबीबीएल के लिए 122 खिलाड़ियों की सूची में कुल 18 भारतीय खिलाड़ी हैं जिसमें हरमनप्रीत (मेलबर्न रेनेगेड्स) और जेमिमा (मेलबर्न स्टार्स) की टीम में बनी रहेंगी। वहीं मंधाना पिछले साल भी डब्ल्यूबीबीएल में शामिल नहीं हुई थीं। वह आगामी घरेलू सत्र पर ध्यान लगाना चाहती हैं और साथ ही आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय वर्ष के लिए अपने कार्यभार का प्रबंधन करना चाहती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मंधाना जबकि डब्ल्यूबीबीएल 19 अक्टूबर से दो दिसंबर तक चलेगा। इससे पहले मंधाना 23 सितंबर से शुरु होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लेंगी। इंग्लैंड विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट पूल में सबसे आगे हैं जिसकी 35 खिलाड़ी इसमें शामिल हैं। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका 20 खिलाड़ियों से दूसरे नंबर पर है जिसमें करिश्माई सलामी बल्लेबाज लौरा वोलवार्ट, लिजेल ली और शबनीम इस्माइल मौजूद हैं।

सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट में खिताब के लिए 10 साल बाद भिड़ेंगी पाकिस्तानी टीमें

जालंधर ।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को जालंधर में देश के प्रतिष्ठित 40वें इंडियन ऑयल सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट का पोस्टर जारी किया। यह टूर्नामेंट 25 अक्तूबर से तीन नवंबर तक स्थानीय सुरजीत हॉकी स्टेडियम बल्टर्न पार्क में आयोजित किए जाएंगे जिनमें पाकिस्तान की दो टीमें करीब 10 साल के अंतराल के बाद खिताब के लिए भिड़ेंगी। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के अध्यक्ष विशेष सारंगल ने बताया कि 25 अक्टूबर से स्थानीय सुरजीत हॉकी स्टेडियम, बल्टर्न पार्क में आयोजित होने वाले 40वें इंडियन ऑयल सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस वर्ष टूर्नामेंट में 18 टीमें भाग लेंगी, जिनमें पाकिस्तान की दो टीमों के अलावा, रेलवे, इंडियन ऑयल, एफसीआई दिल्ली, पंजाब और सिंध बैंक, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, सीएजी दिल्ली, पंजाब पुलिस, रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला, पी एनबी दिल्ली आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।सेमीफाइनल और फाइनल मैचों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैनलों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके अलावा फाइनल मैच के दिन लोकप्रिय गायक बब्बू मान दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 5.51 लाख रुपए जबकि उपविजेता को 2.50 लाख रुपए मिलेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारत्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाइनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 127 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

ब्राजील में उष्णकटिबंधीय चक्रवात से 44 लोगों की मौत

साओ पाउलो । दक्षिणी ब्राजील में पिछले हफ्ते आए उष्णकटिबंधीय चक्रवात के बाद कुल 44 लोगों की मौत हुई और 46 अन्य लापता हो गए। नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। चक्रवात के कारण अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के लगभग 60 शहरों और पड़ोसी राज्य सांता कैटरीना के कुछ क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, 110 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की हवाएं चली और भूस्खलन शुरू हो गया। एजेंसी ने कहा कि एक को छोड़कर सभी मौतें रियो ग्रांडे डो सुल में हुईं, जहां 224 लोग घायल हो गए और 14,000 से अधिक लोगों को निकाला गया। सबसे बुरी तरह प्रभावित शहर म्यूकम है, जहां इस चक्रवात से 16 लोगों की मौत हुई और रोका सेल्स में 10 लोगों की मौत हुई। ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो एल्कमिन ने चक्रवात से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को लगभग 160 अमेरिकी डॉलर का मुआवजा देने की सरकार की योजना की घोषणा करने के बाद क्षेत्र का दौरा किया। राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डी सिल्वा ने भारत से बोलते हुए चरम मौसम की घटना को जलवायु परिवर्तन के परिणामों से निपटने के लिए आवश्यक पर्यावरणीय एजेंडे से जोड़ा।

मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,122 हुई

मोरक्को । मोरक्को में आए भीषण भूकंप के बाद से कम से कम 2,122 लोगों की मौत हुई और 2,421 लोग घायल हो गए हैं। मोरक्को के आंतरिक मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि मरने वालों में अल हाउज प्रांत में 1,351, तरौदंत प्रांत में 492, चिचौआ में 201 और मराकेश में 17 लोग शामिल हैं। मोरक्को के सैनिक और आपातकालीन सेवाएं कथित तौर पर एटलस पर्वत क्षेत्र में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही है, क्योंकि वहां तक जाने वाली सड़कें गिरे हुए पत्थरों के कारण अवरुद्ध हो गई थीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुमान के अनुसार, इस आपदा ने प्राचीन शहर और उसके बाहरी इलाके में 300,000 से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। मोरक्कन रेड क्रिसेंट (एमआरसी) ने कहा है कि जमीनी स्थिति ने खोज और बचाव प्रयासों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश की है, और इसमें मदद के लिए एटलस पर्वत के उन दूरदराज के इलाकों में भारी मशीनरी पहुंचाना एक प्राथमिकता है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई झड़प में कम से कम सात आतंकवादी मारे गए और छह अन्य घायल हो गए है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा, चित्राल जिले के उर्सून इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।

नाइजीरिया में नौका पलटने से 24 लोगों की मौत, दर्जनों लापता

अबूजा । नाइजीरिया में एक नौका पलटने की घटना में कम से कम 24 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य लापता हो गए हैं। आपातकालीन अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में अधिकतर महिलाएं एवं बच्चे हैं, जो कि नाइजीरिया के नाइजर प्रांत के मोकवा में नाव पर यात्रा करते समय डूब गए। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रांत प्रमुख जैनब सुलेमान ने बताया कि नाव पर 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। अंदेशा हैं कि कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। सुलेमान ने बताया, अब तक बचाव कार्य के दौरान 24 शव निकाले जा चुके हैं और 30 लोगों को बचाया गया है।

'एयर शो' के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

बुडापेस्ट । मध्य हंगरी में एक 'एयर शो' के दौरान करतब दिखाते हुए छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हुई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फेजर काउंटी में बोर्गोंड 'एयर शो' में यह भीषण दुर्घटना स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न लगभग तीन बजकर 20 मिनट पर हुई और इसका कारण फिलहाल पता नहीं चल सकता है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में पायलट और यात्री की मौत हो गई जिनकी उम्र क्रमश- 67 और 37 वर्ष थी। दुर्घटना के बाद जिस जगह विमान गिरा वहां मौजूद एक कार इसकी चपेट में आ गई और उसमें आग लगाने से उसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया है। दुर्घटना के ऑनलाइन वीडियो फुटेज में नजर आ रहा है कि हवाई करतब दिखाते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग की लपटों में घिर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के आयोजकों ने बाकी शो को रद्द कर दिया।

बाढ़ ने ले ली 15 की जान, पीड़ितों के लिए राहत पैकेज घोषित

एथेंस । ग्रीस में इन दिनों बाढ़ का कहर जारी है, यहां बारिश से भारी तबाही मची हुई है। इस बीच ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने बाढ़ पीड़ितों के लिए पहले राहत पैकेज की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार बाढ़ के चलते अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित थिसली क्षेत्र की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान रविवार को मित्सोटाकिस के हवाले से कहा कि राज्य बिना किसी देरी के लोगों की मदद के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा कि घरों और व्यवसायों के समर्थन के लिए प्रक्रियाएं सोमवार से शुरू होंगी और जिन लोगों के बाढ़ से घर, फार्म और खेत प्रभावित हुए है, उन्हें तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी संपत्तियों को बहाल करने और नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आगे मुआवजा और फंडिंग की जाएगी। यहां पर डैनियल नामक तूफान ने 4 सितंबर से शुरू होकर दो दिनों तक ग्रीस में भारी तबाही मचाई है। हालांकि 7 सितंबर की शाम को बाढ़ का पानी घटने लगा। हालांत यह थे कि कुछ क्षेत्रों के पूरे गांवों तक केवल नावों और हेलीकॉप्टरों द्वारा ही पहुंचा जा सकता है, और दर्जनों लोगों को ड्रोन द्वारा भोजन, पानी और दवाएं दी गई। फायर ब्रिगेड ने बताया कि 5 सितंबर से अब तक कुल 4,486 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। थिसली मैदान की खेती का एक बड़ा हिस्सा, जो ग्रीस के लिए एक प्रमुख कृषि उत्पादन क्षेत्र है, भी बह गया। विशेषज्ञों और स्थानीय उत्पादकों के अनुसार, सामान्य स्थिति में लौटने और उपजाऊ मिट्टी में फिर से उपज उगाने में पांच साल तक का समय लगेगा।

स्थापना दिवस पर अर्धसैनिक परेड में किम जोंग-उन हुए शामिल

सियोल उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन देश की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के दौरान अर्धसैनिक परेड में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान प्रतिभागियों के साथ फोटो सेशन किया। इस दौरान किम ने परेड को शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण के महान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए समाजवादी कोरिया की अजेय भावना का एक शक्तिशाली प्रदर्शन बताया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने अपनी 75वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर एक अर्धसैनिक परेड आयोजित की, जिसका नेतृत्व नियमित सैनिकों के बजाय एक नागरिक सुरक्षा संगठन, वर्कर-पीजेंट रेड गार्ड्स ने किया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि किम मॉस्को को संभावित हथियारों की आपूर्ति पर चर्चा करने के लिए एक आर्थिक मंच के इतर पुतिन के साथ बातचीत के लिए इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक की यात्रा कर सकते हैं।

जापान में भालू के हमले रिकॉर्ड स्तर पर

टोक्यो । इस साल अप्रैल से जुलाई तक पूरे जापान में रिकॉर्ड संख्या में भालू के हमले हुए। बताया गया है ?कि देशभर में चोटों के 53 मामले दर्ज किए गए, जिनमें इवाते प्रीफेक्चर में 15, अकिता प्रीफेक्चर में नौ और फुकुशिमा प्रीफेक्चर में सात मामले शामिल हैं, जो वित्तीय वर्ष 2007 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से एक रिकॉर्ड ऊंचाई है। इसमें कहा गया है कि मई में होक्काइडो के होरोकनाई टाउन में भालू के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पोलैंड में नाजियों के हाथों मारे गये अल्मा परिवार की याद में हुए एक कार्यक्रम में धार्मिक नेता भी शामिल हुए, इस परिवार ने यहूदियों को शरण दी थी।

150 यात्री को लेकर उड़े विमान में बीच आसमान लगी आग, हुई इमरजेंसी लैंडिंग

बीजिंग । चीन में एक विमान ने 150 यात्रियों को लेकर उड़ान भरी थी और बीच आसमान में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सबकुछ ठीक-ठाक रहा। हालांकि आग लगने के बाद पूरा केबिन धुएं से भर गया। मिली जानकारी के अनुसार चीन की विमानन कंपनी 'एअर चाइना' के एक विमान के इंजन में आग लगने के बाद उसके केबिन में धुआं भरने से नौ यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकारियों ने विमान को सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारकर खाली कराया। चांगी हवाई अड्डे के अधिकारियों ने फेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट में बताया कि एअर चाइना के एअरबस-ए320 विमान में कुल 146 यात्री और चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। यह विमान चीन के शिचुआन प्रांत के चेंगदु शहर से आ रहा था। इसे रविवार शाम लगभग 4.15 बजे चांगी हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। विमान में सवार नौ यात्रियों को केबिन में धुआं भरने से सांस लेने में तकलीफ होने और निकासी के दौरान मामूली खरोंच आने की खबर है। बता दें कि पायलट ने विमान के कार्गो होल्ड (वह हिस्सा, जहां सामान रखा होता है) और शौचालय में धुआं उठने की सूचना मिलने के बाद आपात लैंडिंग की अनुमति मांगी। एक यात्री ने चीनी मीडिया को बताया कि धुएं से केबिन की लाइट टिमटिमाने लगी और कुछ यात्री अपनी सीट पर खड़े हो गए, जिसके बाद चालक दल के सदस्यों ने उनसे धैर्य रखने तथा अपनी सीट पर बने रहने की अपील की।

बाइडेन ने मोदी के साथ बैठक में उठाया मानवाधिकार, प्रेस की आजादी का मुद्दा

-अमेरिका और भारत साझा भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण में बनेंगे भागीदार

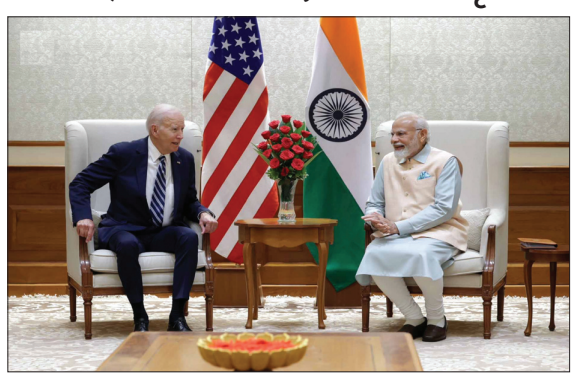

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी के साथ हुई बैठक में मानवाधिकार तथा प्रेस की आजादी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने वियतनाम पहुंचने पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि भारत में हाल ही में संपन्न जी20 में किए गए महत्वपूर्ण व्यवसाय पर सहमति के अलावा भारत से यूरोप तक फैले रेल-जहाज आर्थिक गलियारा को बनाने में सक्षम होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक में उन्होंने मानवाधिकारों के सम्मान के महत्व, नागरिक समाज और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका जैसे मुद्दे उठाए। भारत और वियतनाम के अपने दौरे के दूसरे चरण में हनोई में एक संवाददाता सम्मेलन में बाइडन से चीन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में भी पूछा गया, जो जी20 बैठक में शामिल नहीं हुए थे। यही वजह रही ?कि बाइडेन यूक्रेन के बारे में सवालों से घिरे हुए थे। बाइडन ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में मोदी के नेतृत्व और उनके आतिथ्य और जी20 की मेजबानी के लिए धन्यवाद दिया।

बाइडन ने कहा कि उन्होंने और मोदी ने इस बारे में पर्याप्त चर्चा की कि हम पिछले जून में प्रधानमंत्री की व्हाइट हाउस यात्रा के आधार पर भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच साझेदारी को कैसे मजबूत करना जारी रखेंगे।बाइडन ने पारंपरिक राजकीय रात्रिभोज के साथ मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की थी, जो भारतीय प्रधानमंत्री के लिए पहला था। बाइडन ने आगे कहा कि जैसा कि मैं हमेशा करता हूं, मैंने मिस्टर मोदी के साथ मानवाधिकारों के सम्मान और एक मजबूत और समृद्ध देश के निर्माण में नागरिक समाज और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को उठाया। हो सकता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति उस मुद्दे को पहले से ही दबाने की कोशिश कर रहे हों, जिसके बारे में अमेरिकी प्रेस नियमित रूप से उनसे और उनके अधिकारियों से पूछती रही है।

बता दें कि जून में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन के साथ किए गए दुर्लभ संवाददाता सम्मेलन में मोदी से दो सवाल पूछे गए थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ इन मुद्दों को उठाने में संकोच नहीं किया है, लेकिन एक देश द्वारा दूसरे देश को उपदेश देने के तरीके से नहीं, बल्कि एक साझा चुनौती के रूप में, संदर्भ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों द्वारा 2020 के राष्ट्रपति चुनाव और 6 जनवरी के विद्रोह को विफल करने के प्रयासों का है, जिसके लिए उन्हें दो अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया गया है। जी20 बैठकों के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह जलवायु संकट, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा को मजबूत करना है, वैश्विक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सुरक्षा को आगे बढ़ाना है।

इधर मोदी व ट्रूडो बात करे रहे थे, उधर खालिस्तानी कर रहे थे जनमत संग्रह

टोरंटो (एजेंसी)। जी20 सम्मेलन के दौरान जहां कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो से पीएम मोदी चर्चा कर रहे थे, उधर खालिस्तानी जनमत संग्रह में व्यस्त थे। बता दें कि जी20 सम्मेलन के दौरान घोषणापत्र में भारत ने मजबूती से आतंकवाद और उग्रवाद का मुद्दा उठाया। वहीं सम्मेलन से इतर कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने उन्हें खालिस्तान समर्थकों को लेकर खूब सुनाया। हालांकि ट्रूडो आश्वासन भी दिया कि वह किसी भी तरह के हिंसक प्रदर्शन को अनुमति नहीं देते। एक तरफ भारत और कनाडा के पीएम के बीच भारत विरोधी संगठनों को लेकर बात चल रही थी तो दूसरी तरफ कनाडा में खालिस्तानी समर्थक अपने अजेंडे में लगे थे। मिली जानकारी के अनुसार खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस ने ब्रिटिश कोलंबिया स्थित गुरुद्वारे में तथाकथित जनमत संग्रह करवाया। सूरी शहर के गुरु नानक गुरुद्वारा को वोटिंग सेंटर बनाया गया था। यह वही गुरुद्वारा है जिसका मुखिया सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख चेहरा हरदीप सिंह निज्जर हुआ करता था। 18 जून को अज्ञात लोगों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। खालिस्तानी समर्थक हत्या का आरोप भारतीय डिप्लोमैट और एजेंसियो पर लगा रहे हैं।

बता दें कि निज्जर की हत्या के मामले की जांच इंटीग्रेटेड होमीसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है। इस मामले में ना तो अब तक किसी का नाम सामने आया है और ना ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इस हत्या के बाद खालिस्तानी लगातार भारत पर आरोप मढ़ रहे हैं और जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर एसएफजे ने 29 अक्टूबर को अगले राउंड का जनमत संग्रह कराने का ऐलान किया है। इसके लिए एक स्कूल को चुना गया है। हालांकि एक सप्ताह पहले ही सूरी डिस्ट्रिक्ट स्कूल बोर्ड ने इसे कैंसल कर दिया। बोर्ड का कहना था कि रेंटल अग्रीमेंट के नियमों का उल्लंघन किया गया है। दरअसल खालिस्तान समर्थकों ने इवेंट के प्रचार के लिए जो तस्वीरें लगाई थीं उनमें हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया था। बोर्ड ने इसपर आपत्ति की लेकिन उन्होंने तस्वीरें नहीं हटवाईं।

गाना गुनगुनाने से मारे जाते हैं लोग, 12 लोगों की जान ले चुका है ये गाना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। फिलिपीन्स में लोग हर गाना गा सकते हैं, सिर्फ एक को छोड़कर। लोगों का दावा है कि इस गाने को गुनगुगाने के बाद लोगों की मौत हो जाती है। आजकल सोशल मीडिया पर कुछ कंपनियों के गाने, वीडियोज में इस्तेमाल करने पर कॉपीराइट की समस्या खड़ी हो जाती है।

पर फिलिपीन्स में तो एक गाना लाइव गाने पर कॉपीराइट से भी बड़ी समस्या पैदा हो जती है और लोगों की जान चली जाती है।एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप फिलिपीन्स में हैं या फिर वहां घूमने जा रहे हैं तो एक बात से आपको बहुत ज्यादा सावधान होने की जरूरत है।वो ये कि यहां पर कभी भी गायक फ्रैंक सिनात्रा का 'माय वे' गाना नहीं गुनगुनाना है।अगर कोई लाइव स्टेज पर ये गाना गा देता है तो उसकी हत्या कर दी जाती है।अब तक 12 लोगों की हत्या इस गाने की वजह से कर दी गई है।आपको बता दें कि फ्रैंक सिनात्रा एक अमेरिकी सिंगर थे और उनके माय वे गाने को बेहद प्रसिद्ध गाना माना जाता है।माय वे पर फिलिपीन्स में प्रतिबंध नहीं लगा है, फर उसके बावजूद इस गाने को यहां पर कोई नहीं गाता।1998 के बाद से गाना गाने से लोगों ने खुद को वर्जित कर लिया था।कई कैरियोके बार्स में भी इस गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।1998 के समय से जो भी इस गाने को गाता, उसकी हत्या कर दी जाती।या तो गाना गाने के दौरान हत्या कर दी जाती या गाने के तुरंत बाद गाने वाले को मौत के घाट उतार दिया जाता।ये गाना बेहद फेमस है।अब सवाल ये उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस बारे में कोई नहीं जानता कि लोगों ने ये हत्याएं करना क्यों शुरू कर दिया है।

इमरान खान ने अटक जेल के अधीक्षक के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए याचिका दायर की

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक विशेष अदालत में सोमवार को याचिका दायर कर अटक जेल के अधीक्षक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया। मीडिया में आई एक खबर में कहा गया है कि खान ने अटक जेल के अधीक्षक पर उन्हें फोन पर उनके बेटों से बात करने की इजाजत नहीं देने का आरोप लगाया है। खान (70) सरकारी राज़ का खुलासा करने के आरोप में 13 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं।

पिछले महीने एक निचली अदालत ने उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया था, जिसके बाद पांच अगस्त से वह अटक जेल में बंद हैं। शासकीय गोपनीयता कानून के तहत दर्ज मामले पर सुनवाई करने के लिए गठित विशेष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को पिछले महीने उनके बेटों कासिम और सुलेमान से बात करने की इजाज़त दी थी। 'जियो न्यूज़' की खबर के मुताबिक, खान ने अदालत के आदेश का उल्लंघन करने के लिए अटक जेल के अधीक्षक के खिलाफ अदालत

की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुज़ारिश की है। अपनी याचिका में खान ने दावा किया है कि जेल अधिकारियों ने उन्हें उनके बेटों से फोन पर बात करने की अनुमति नहीं दी और इसका कारण बताया कि वह शासकीय गोपनीयता कानून के तहत जेल में बंद हैं।

न्यायाधीश अबु अल हसनत जुल्करनैन ने अटक जेल के अधीक्षक आरिफ शहज़ाद को नोटिस जारी किया और अदालत का आदेश लागू करने पर 15 सितंबर को रिपोर्ट तलब की है। कथित कूट संदेश (गुप्त राजनयिक केबल) में अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान के बीच पिछले साल हुई मुलाकात की जानकारी थी। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'द इंटरसेप्ट' ने कथित गुप्त संदेश की प्रति प्रकाशित की थी, जिसके बाद शहबाज़ शरीफ के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के मंत्रियों ने इस संदेश को लीक करने का खान पर आरोप लगाया था।

वहीं, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारीक महमूद जहांगीर की पीठ ने तोशाखाना मामले में खान को मिली तीन साल की सज़ा को पिछले बुधवार को निर्लंबित कर दिया था और उन्हें पंजाब प्रांत की जेल से रिहा करने का आदेश दिया था। लेकिन वह कूट संदेश मामले में जेल में बंद हैं, क्योंकि पिछले महीने विशेष अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 13 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी थी। जियो न्यूज़ ने अपनी खबर में यह भी बताया है कि कैसे इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार ने 2018 में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ को उनकी बीमार पत्नी से बात करने की इजाजत नहीं दी थी। वह लंदन में कैंसर से जूझ रही थीं। बेगम कुलसूम नवाज़ का सितंबर 2018 में ब्रिटेन की राजधानी में निधन हो गया था।

अमेरिकी सांसदों ने 11 सितंबर 2001 के हमले के मद्देनजर नफरत, नस्लवाद की निंदा के लिए प्रस्ताव पेश किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल सहित अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश कर घृणा, अजनबियों या विदेशी लोगों के प्रति नफरत या डर, और 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले के बाद पूरे अमेरिका में अरब मुसलमानों, दक्षिण एशियाई तथा सिख समुदायों के प्रति नस्लवादी भावना की निंदा की है। आतंकी संगठन अलकायदा ने ये हमले किये थे, जिसमें करीब 3,000 लोग मारे गये थे।

इस हमले को 9/11 के नाम से भी जाना जाता है। अरब, मुस्लिम, पश्चिम एशियाई, दक्षिण एशियाई और सिख समुदाय अमेरिका में लंबे समय से भेदभाव और हिंसा का सामना करते आ रहे हैं, जो इन आतंकी हमलों के बाद बढ़ गयी। 2001 के इस हमले के बाद, पहले महीने के दौरान ही सामुदायिक संगठनों ने पश्चिम एशियाई या दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ नफरत की 945 घटनाएं दर्ज की। नफरत का यह माहौल उनके रोजमर्रा के जीवन में, और उनके कार्यस्थलों, कारोबारों, सामुदायिक केंद्रों, और उपासना स्थलों में उन्हें भयभीत करने या उनके प्रति हिंसा के रूप में भी देखने को मिला।

जयपाल ने 11 सितंबर 2001 के हमले की 22वीं बरसी से दो दिन पहले शनिवार को सांसद इलहान उमर, रशिदा तैयब, जूडी शु और एंड्रे कार्सन के साथ यह प्रस्ताव पेश किया। जयपाल ने कहा, ''11 सितंबर 2001 को, अमेरिकी धरती पर हुए सबसे वीभत्स हमले में हमने हजारों जानें गंवा दीं। हमले में करीब 3,000 लोग मारे गए और इससे संबद्ध बीमारियों से 4,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस दिन का प्रभाव अब तक महसूस किया जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''इस दुखद दिन को याद करने के दौरान, हमें अरब, मुसलमानों, पश्चिम एशियाई, दक्षिण एशियाई, और सिख समुदायों पर पड़े दीर्घकालिक प्रभावों को भी बयां करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि हमले के बाद के दिनों में बलबीर सिंह सोढ़ी,वकार हसन, और अब्देल कारस की हत्याएं नफरत को प्रदर्शित करती हैं। जयपाल ने कहा, ''अजनबियों या विदेशी लोगों के प्रति नफरत या डर और नस्लवाद की इस देश में कोई जगह नहीं है, और आज हम इस पीड़ा को साझा कर रहे हैं जो इन समुदायों ने कलंक, भेदभाव और स्वतंत्रता खोने के रूप में महसूस की हैं।''

अमेरिकी सांसद उमर ने कहा कि 11 सितंबर 2001 अमेरिकी इतिहास में एक विनाशकारी घटना है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश का सामाजिक ताना-बाना बदल गया। इन हमलों के मद्देनजर, सत्ता में मौजूद लोगों ने सामूहिक निगरानी, प्रताड़ना, अनिश्चितकालीन हिरासत, नागरिक स्वतंत्रताओं के हनन के जरिये हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना की। देशभर में मुस्लिम, अरब, सिख और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों को संदेह की नजर से देखा जाने लगा, परेशान किया गया, और यहां तक कि केवल उनकी पहचान के आधार पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया।'' सांसद कार्सन ने कहा कि प्रस्ताव के जरिये, नफरती कृत्यों में कमी लाने, मुस्लिम अमेरिकियों का समर्थन करने, और आगे बढ़ने के

लिए पूरे देश की मदद करने के वास्ते समुदाय आधारित रुख अपनाने की अपील की गई है। मुस्लिम जस्टिस लीग, द सिख कोलेशन और सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड जैसे कई संगठनों ने प्रस्ताव का समर्थन किया है।

डासिंग क्वीन नोरा फतेही ने प्रधानमंत्री मोदी को क्यों कहा शुक्रिया

मुंबई । बॉलीवुड की डासिंग क्वीन अभिनेत्री नोरा फतेही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा किया है। इसकी वजह से भी बेहद खास है। दरअसल, शुक्रवार को मोरक्को में भयंकर भूंकप आया था। इससे वहां हजारों लोग प्रभावित हुए थे और कई लोगों की मौत भी हो गई। अपने देश की ऐसी हालत देख नोरा फतेही का दिल कांप उठा और उन्होंने पीएम मोदी से मदद की गुहार लगाई थी। नोरा के गुहार के बाद पीएम मोदी मोरक्को की मदद के लिए आगे आए है। उन्होंने पीएम मोदी द्वारा दी गई मदद के लिए उन्हें धन्यवाद किया है। नोरा ने लिखा, थैंक यू पीएम नरेंद्र मोदी, इतने बड़े सपोर्ट के लिए। आप उन देशों में से एक हैं जिन्होंने मदद के लिए सबसे पहले हाथ आगे बढ़ाए। मोरक्कन लोग आपके आभारी हैं। जय हिंद। बता दें कि, इसके पहले नोरा ने मोरक्को में आए भूकंप पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि, मोरक्को में आज जो हुआ उसकी खबर देख दिल दहल गया, कितने शहरों पर इसका प्रभाव पड़ा है। हजारों लोगों की जानें चली गई हैं। मेरे मन में एक डर बना हुआ है, मुझे चिंता हो रही है। मैं सभी की सुरक्षा के लिए दुआ कर रही हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं सब ठीक रहे। शुक्रिया कहती हूं ईश्वर का, कि हमारे सभी लोग ठीक ठाक हैं। इस प्राकृतिक घटना में जिसने भी अपनों को खोया है उनसे मेरी संवेदनाएं हैं।

छगन भुजबल की शिवसेना में वापसी मैंने उद्धव से कहकर रोकी : घोलप

मुंबई । महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बबन घोलप ने कहा कि उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के उपनेता पद से इस्तीफा देकर दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता छगन भुजबल एक साल पहले उनकी पार्टी में लौटना चाह रहे थे लेकिन उन्होंने योजना को विफल कर दिया। पांच बार के विधायक घोलप ने कहा कि जब वह पिछले साल दिल्ली में थे, तब शिवसेना के मिलिंद नार्वेकर ने उन्हें बताया कि भुजबल पार्टी में वापस आने की योजना बना रहे हैं। घोलप ने कहा, मैंने उद्धव से पूछा कि एक व्यक्ति जिसने दिवंगत शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे को तंग किया, उन्हें गिरफ्तार कराया, मेरे, राज ठाकरे और कई अन्य लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए, वह पार्टी में कैसे शामिल हो सकते हैं। पूर्व विधायक ने दावा किया कि तब ठाकरे ने अपने करीबी सहयोगी नार्वेकर से कहा कि भुजबल को पार्टी में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। घोलप ने कहा, ''इस तरह मैंने भुजबल के इस कदम को विफल कर दिया था।'' भुजबल अब शिंदे मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। उन्होंने राजनीति में शिवसेना के साथ कदम रखा था और दो दशकों से अधिक समय तक पार्टी में रहे। उन्होंने 1991 में कांग्रेस में शामिल होने के लिए शिव सेना छोड़ दी और बाद में शरद पवार की पार्टी में शामिल हो गए।

कांग्रेस मेरी छवि खराब करने की कोशिश में जुटी : पी के बीजू

कन्नूर । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता पी के बीजू ने करुवन्नूर बैंक घोटाला मामले में कांग्रेस नेता अनिल अक्कारा के आरोपों को खारिज कर कहा कि उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। बीजू ने कहा, ''वह(कांग्रेस) मेरी छवि खराब करने के लिए व्यक्तिगत आरोप लगा रहे हैं। एक सांसद के रूप में मैं किराए के मकान में रहता था और सभी लेनदेन बैंक खातों के माध्यम से किए गए थे। माकपा नेता ने सभी आरोपों से इनकार कर दावा किया कि पार्टी ने घोटाले की जांच के लिए कोई आयोग नियुक्त नहीं किया है। वडक्कनचेरी के पूर्व विधायक अक्कारा ने आरोप लगाया था प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 150 करोड़ रुपये के करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले की जांच से जुड़ी अपनी रिपोर्ट में जिस पूर्व सांसद का उल्लेख किया था, वह पीके बीजू हैं।

चीफ जस्टिस ने कुत्तों के आतंक पर की चिंता व्यक्त

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने आवारा कुत्तों के आतंक पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उस वक्त आया जब एक वकील कोर्ट रूम में पेश हुए और उनके हाथ में पट्टी लगी थी। चीफ जस्टिस ने वकील के हाथ को देखते हुए पूछा कि क्या हुआ। हाथ दिखाते हुए वकील कुणाल चटर्जी ने कहा कि 5 कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा ने आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरों पर चिंता व्यक्त की। सीजेआई ने कुणाल चटर्जी से कहा कि यदि आपको मेडिकल सहायता की जरूरत है तो मैं रजिस्ट्री से इस पर गौर करने के लिए कह सकता हूं। इसी बीच चीफ जस्टिस ने बताया कि उनके लॉ क्लर्क भी अपनी कार पार्क करते समय कुत्ते के हमले के शिकार हो गए थे। जस्टिस नरसिम्हा ने इस मामले की गंभीरता पर कहा कि यह एक खतरा बनता जा रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। उत्तर प्रदेश की एक दुखद घटना साझा की जहां एक लड़के की कुत्ते के काटने के बाद रेबीज से मौत हो गई थी। एक वकील ने इस मामले पर चीफ जस्टिस से संपर्क साधा और स्वत- संज्ञान लेने का अनुरोध किया।

लद्दाख के उपराज्यपाल का खुलासा, एक इंच जमीन भी नहीं गई है

लेह । लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर डॉ.बी.डी. मिश्रा, सेवानिवृत्त ने खुलासा किया है कि भारत की एक वर्ग इंच भी जमीन नहीं गई है। उन्होंने यह खुलासा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान पर किया है, जिसमें उन्होंने चीन द्वारा जमीन हथियाने का आरोप लगाया था। एलजी ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश में चीनियों द्वारा जमीन पर कब्जे के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावों का खंडन किया और कहा कि एक वर्ग इंच जमीन भी नहीं गई है। एलजी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर दुश्मन को करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि मैं किसी के बयान पर टिप्पणी नहीं करूंगा लेकिन जो तथ्य है वही कहूंगा क्योंकि मैंने खुद देखा है। एक भी वर्ग इंच भूमि नहीं है जिस पर चीनियों ने कब्जा कर लिया हो। सब बात यह है कि हमारी सशस्त्र सेनाएं किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं और भगवान न करे अगर गुब्बारा ऊपर चला गया, तो ऐसे लोगों को करारा जवाब मिलेगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अगस्त में एक सप्ताह के दौरे पर लद्दाख का दौरा किया था जहां उन्होंने अपना दावा दोहराया था कि चीन ने लद्दाख में भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लद्दाख पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी सही नहीं है। यहां लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना हमारी जमीन में घुस आई है। लोगों ने बताया कि जो जमीन पहले चारागाह के काम आती थी, अब वहां नहीं जा सकते। प्रधानमंत्री ने कहा- एक इंच जमीन नहीं गई, ये सच नहीं है। लद्दाख में किसी से भी पूछिए, वे आपको यही बताएंगे। एलजी ब्रिगे। मिश्रा ने लद्दाख में सुरक्षा स्थिति को उत्कृष्ट बताया और कहा कि कोई भी नापाक इरादे के साथ भारत में आने की हिम्मत नहीं कर सकता।

दिवाली के बाद देश में धर्म यात्रा निकालेंगे साधु संत

– दलितों के यहां भोजन करके बनाएंगे सद्भाव

लखनऊ । जनवरी 2024 में भव्य राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को आजादी के बाद का सबसे बड़ा यादगार कार्यक्रम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व रविवार को अयोध्या में एक बैठक संपन्न हुई। जिसमें संघ के अनुवांशिक संगठन और विश्व हिंदू परिषद के साधु संत मिलकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को आनंद उत्सव के रूप में प्रचारित करने के लिए गांव-गांव तक पहुंचेंगे। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार के अनुसार बजरंग दल देश भर में शौर्य यात्राएं निकलेगा। वही दीपावली के बाद साधु संत धर्म यात्रा निकालेंगे। साधु संत दलित और कमजोर वर्गों के घरों पर जाएंगे। दलित और अनुसूचित परिवारों के साथ उनके घर पर ही भोजन करेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व देश के सभी गांवों एवं शहरों में जाकर हिंदुओं को सनातन धर्म से जोड़ने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। सभी मंदिरों गुरुद्वारों के साथ-साथ सभी पंथ और संप्रदाय को जोड़ने काम साधु संत करेंगे। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को आजादी के समय जो भव्य समारोह गांव गांव में और घर-घर में देखने को मिला था। वैसा ही ऐतिहासिक समारोह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हो।

तीन राज्यों में अलग-अलग संगठनों ने एक साथ किया बंद का आह्वान

–महाराष्ट्र में मराठा संगठन, कर्नाटक में ट्रांसपोट.और आंध्र में टीडीपी की हड़ताल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों में आज एक साथ बंद का ऐलान किया गया है। अलग- अलग संगठनों द्वारा किए गए बंद में महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश शामिल है। एक तरफ महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मराठा संगठन ने बंद का ऐलान किया है। वहीं दूसरी तरफ आंध्र प्रदेश में टीडीपी ने पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ बंद का आह्वान किया है। जबकि कर्नाटक में फेडरेशन ऑफ द कर्नाटक स्टेट प्राइवेट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा बंद का ऐलान किया गया है, जिसके तहत लाखों वाहन आज सड़क पर नजर नहीं आएंगे। एसोसिएशन के घोषित 'बंद' के मद्देनजर ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, मैक्सी कैब और बसों सहित लगभग नौ लाख निजी कॉमर्शियल वाहन सोमवार को बेंगलुरु में सड़कों से दूर रहेंगे। कौशल विकास निगम घोटाले के सिलसिले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने गिरफ्तार कर विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने टीडीपी प्रमुख को घर में नजरबंद करने की मांग वाली

याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया।

इस बीच, नायडू की पार्टी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश में बंद का आह्वान किया है। 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू सोमवार तड़के केंद्रीय जेल पहुंचे। वह विजयवाड़ा से पूर्वी गोदावरी जिले के राजामहेंद्रवरम तक लगभग 200 किलोमीटर की यात्रा के बाद जेल पहुंचे। पूर्वी गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक पी। जगदीश ने कहा, चंद्रबाबू नायडू देर रात करीब 1:20 बजे जेल में गए। इधर कर्नाटक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने बंद का ऐलान किया है। यह हड़ताल राज्य के परिवहन विभाग द्वारा अगस्त के अंत की समय सीमा के भीतर परिवहन संघ की 28 मांगों को पूरा नहीं करने पर की गई है। चूंकि निजी मैक्सी कैब कई स्कूली बच्चों के लिए परिवहन के मुख्य साधनों में से एक है, इसलिए शहर के कुछ स्कूलों ने छात्रों को असुविधा से बचने के लिए सोमवार को छुट्टी घोषित कर दी है। ऑटो, टैक्सी, एयरपोर्ट टैक्सी, मैक्सी कैब, मालवाहक वाहन, स्कूल वाहन, बसों सहित लगभग 7 से 10 लाख वाहन आज सड़कों से गायब हैं।

उधर महाराष्ट्र में आरक्षण की मांग कर रहे मराठा संगठन ने आज ठाणे में बंद का ऐलान किया। प्रदर्शनकारियों पर जालना जिले में पुलिस के हालिया लाठीचार्ज के विरोध में मराठा संगठन ने आज बंद का आह्वान किया है। ठाणे में आज मराठा समाज की तरफ से बंद के आह्वान को देखते हुए पूरे शहर में पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस के अधिकारी खुद सुबह से पुलिस तैनाती को लेकर स्थिति का जायजा ले रहे है।

उद्धव ठाकरे ने अयोध्या में मंदिर उद्घाटन के बाद गोधरा जैसी घटना होने की जताई आशंका

मुंबई । शिवसेना (यूटीबी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आंशका व्यक्त की है कि अयोध्या में मंदिर के उद्घाटन के दौरान गोधरा जैसी घटना न हो जाए। उन्होंने रविवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए देशभर से बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद की जा रही है और इस समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे लोगों के साथ गोधरा जैसी घटना हो सकती है। गौरतलब है कि गुजरात के गोधरा स्टेशन पर 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस से अयोध्या से लौट रहे 'कारसेवकों पर हमला किया गया था और उस डिब्बे में आग लगा दी गई थी, जिसमें कारसेवक सवार थे। इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई और इसके बाद पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर दंगे भड़क उठे। जलगांव में ठाकरे ने दावा किया, ऐसी संभावना है

कि सरकार राम मंदिर उद्घाटन के लिए बसों और ट्रकों में बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रित कर सकती है और उनकी वापसी यात्रा के दौरान 'गोधरा जैसी घटना हो सकती है। गौरतलब है कि राम मंदिर का उद्घाटन लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले जनवरी 2024 में होने की संभावना है। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास ऐसी हस्तियां नहीं हैं, जिन्हें लोग अपना आदर्श मान सकें, जिसके चलते वे सरदार पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे दिग्गजों को अपना रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- इंडिया गठबंधन के लोग देते हैं सनातन धर्म को गाली

सिवनी(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हर दिन कांग्रेस का कोई नेता सनातन को गाली देता है। कांग्रेस का जो ठगबंधन बना है, उसमें ऐसे दल और नेता शामिल हैं, जो भ्रष्टाचार के आरोपी हैं। इन दलों का चाल और चरित्र नहीं बदले, सिर्फ चोला बदलने का प्रयास इन्होंने किया है। इनकी न कोई नीति है, न नेता है और इनकी नीयत में भी खोट है। हर मीटिंग के बाद इस ठगबंधन के नेता हिंदुओं को अपमानित करने में लग जाते हैं, सनातन धर्म पर प्रहार करने का तरीका खोजते हैं। श्री ठाकुर सोमवार को यहां जन आशीर्वाद यात्रा ने पहले मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की विदेशी धरती पर जाकर भारत की छवि को खराब करने में लगे हैं, तो देश में उनके सहयोगी नेता सनातन धर्म और हिंदुओं को अपमानित करने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं। राहुल गांधी अपने नेताओं के इन कृत्यों के खिलाफ एक शब्द नहीं बोलते, उनके मुंह में दही जम जाती है। इसका मतलब है कि सनातन पर प्रहार करने वाले इन नेताओं को कांग्रेस पार्टी का पूरा समर्थन है। कांग्रेस हिंदुओं को अपमानित कर वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है और चुनाव जीतने के लिए उन लोगों और दलों का उपयोग कर रही है, जो हिंदु विरोधी हैं। श्री ठाकुर ने

कहा कि देश और प्रदेश की जनता हिंदुओं के खिलाफ बोलने वाले, सनातन धर्म पर प्रहार करने वाले इन नेताओं को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देगी।

श्री ठाकुर ने कहा कि एक तरफ जहां घमंडिया गठबंधन के लोग हिंदुत्व को अपमानित कर रहे हैं, वहीं भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें देश के सांस्कृतिक वैभव को बढ़ाने का काम कर रही हैं। उज्जैन में दिव्य महाकाल महालोक का निर्माण हुआ है। ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्रदेश के अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के विकास की घोषणा भी की है, जिससे प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, देश में भव्य सोमनाथ धाम, केदारनाथ धाम और काशी कॉरीडोर का विकास हुआ है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कार्यकाल में हो रहा है।

–भाजपा की सरकार ने मध्यप्रदेश का कायाकल्प किया

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि युवाओं ने 20-22 साल पहले की प्रदेश की वो टूटी फूटी सड़कें नहीं देखी होंगी, प्रदेश में सिंचाई की स्थिति और खेती बाड़ी की दुर्दशा भी उन्होंने नहीं देखी होगी। बिजली के अभाव में उन युवाओं ने लालटेन की रोशनी में पढ़ाई नहीं की होगी। लेकिन यह सच है। आज से लगभग 20 साल पहले कांग्रेस की सरकार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। जनता ने एक सही निर्णय लिया और 2003 के बाद बनी भाजपा की सरकार ने यह दिखा दिया कि कैसे एक सही निर्णय और भाजपा पर विश्वास प्रदेश का कायाकल्प कर सकता है। उस समय विकास दर काफी कम थी, आज 16 प्रतिशत के लगभग है। कृषि विकास दर जो न के बराबर थी, 18 प्रतिशत के आसपास चल रही है। प्रति व्यक्ति आय रूपए 12000 थी, अब 140000 रुपए हो गई है। तब बजट का आकार लगभग 23000 करोड रुपए होता था, आज यह 314000 करोड़ रुपया हो गया है।

कांग्रेस ने जी20 के नेताओं की बैठक को बताया घोषणाओं का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आयोजित जी20 की बैठक को कांग्रेस नेताओं ने केवल घोषणाओं का पिटारा बताया है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का इतिहास राज्यों के प्रमुखों की अपूर्ण और लागू न की गई घोषणाओं से भरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई घोषणाएं भी इसी प्रकार हैं। इसमें भी कुछ ठोस नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में, तिवारी ने कहा कि राष्ट्र संघ की स्थापना 10 जनवरी 1920 को हुई थी, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध को नहीं रोक सका। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को हुई थी, लेकिन यह 1946-2023 के बीच हुए 285 बड़े सशस?त्र संघर्ष को नहीं रोक पाया। पृथ्वी शिखर सम्मेलन 3 से 14 जून 1992 तक रियो डी जनेरियो में आयोजित किया गया था। तीन दशक बाद भी यह ग्लोबल वार्मिंग को स्थिर करने या जीएचजी उत्सर्जन में पर्याप्त कमी लाने में सक्षम नहीं हुआ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे पहले कि हम कुछ सहमत ग्रंथों या सर्वसम्मत घोषणाओं पर परमानंद की

स्थिति में जाएं, हमें बहुपक्षवाद की सीमाओं के बारे में स्पष्ट नजर रखनी चाहिए।

तिवारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का इतिहास राज्यों के प्रमुखों की अपूर्ण और लागू न की गई घोषणाओं से भरा पड़ा है। ठोस परिणाम क्या हैं और समयसीमा क्या है? नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा में ऐसा कुछ नहीं मिला जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान सदस्य देशों के बीच सहमति बनने के बाद शनिवार को नई दिल्ली लीडर्स समिट घोषणा को अपनाए जाने के दो दिन बाद उनकी टिप्पणी आई। जबकि कांग्रेस नेता शशि थरूर ने जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत की सराहना करते हुए जी20 को भारत के लिए गर्व का उत्सव बताया।

लालू ने इंडिया गठबंधन को लेकर दिया बड़ा अपडेट

पटना (एजेंसी) । इंडिया गठबंधन में अब सीट शेयरिंग और उम्मीदवारों का चयन होने वाला है। इसकी प्रक्रिया 12 और 13 सितंबर से शुरू होगी। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने इसकी जानकारी दी है। देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद लालू ने कहा है कि इंडिया गठबंधन जल्द चुनावी मैदान में कूदने वाला है। अब उम्मीदवारों का चयन करने का काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 28 दलों के इंडिया संगठन में संयोजक के लिए कमेटी का गठन हो चुका है। बता दें कि दिल्ली में 12 से 14 सितंबर तक इंडिया गठबंधन की अहम बैठक हो रही है। 13 सितंबर को को-ऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक होगी। बैठक में लालू के बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद रहने वाले है।

लालू ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ से इतनी ताकत मांगी कि राजग (एनडीए) को सत्ता से उखाड़ फेंक सकें। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आता देख पीएम मोदी जनता को छलने के प्रयास में जुट गए हैं, लेकिन कर्नाटक में मोदी का बजरंगबली का नारा काम नहीं आया। देश में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। लालू ने कहा कि केंद्र सरकार बाबा साहेब के संविधान को बेच देना चाहती है।

लालू ने कहा कि बीजेपी पूंजीपतियों की पार्टी है। वह देश को बांट रही है और लोगों के बीच मतभेद पैदा कर रही है। अब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का वक्त आ गया है। बता दें कि लालू ने चार सितंबर को सोनपुर में प्रसिद्ध बाबा हरीहरनाथ मंदिर के दर्शन किए थे और सात सितंबर को जन्माष्टमी के मौके पर पटना में बांके बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। समन्वय समिति ही इंडिया गठबंधन की सर्वोच्च इकाई के रूप में काम करेगी। इसमें कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, द्रमुक नेता टीआर बालू, बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत, आप सांसद राघव चड्ढा, भाकपा के डी. राजा, नेकां के उमर अब्दुल्ला व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती शामिल हैं।

भारत में 10 साल में 70 फ़ीसदी बढे छात्रों की आत्महत्या के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है। पिछले 10 सालों में 70 फ़ीसदी मामले छात्रों की आत्महत्या के बढ़े हैं। जो चिंता का विषय है।

पिछले एक दशक में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में जो बदलाव आया है। उसमें परीक्षाओं का दबाव छात्र-छात्राओं के ऊपर मिडिल और हाई स्कूल से ही बनने लगता है। जिसके कारण बच्चे आत्महत्या करने लगे हैं। 12वीं की परीक्षा के पहले से ही उन्हें अपने करियर बनाने के लिए कोचिंग का सहारा लेना पड़ रहा है। हाई स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को कोचिंग में जाकर केरियर के अनुसार विषय की कोचिंग लेना पड़ रही है। कोचिंग के बाद भी जब वह प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। तो उन्हें ऐसा लगता है, कि उनका सारा संसार खत्म हो गया। ऐसे छात्रों में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। हर प्रतियोगी परीक्षा में कोचिंग और परीक्षा उसके बाद प्रवेश को लेकर सफलता मात्र 5 से 10 फीसदी छात्र-छात्राओं को मिलती है। जिन छात्र-छात्राओं को प्रवेश नहीं मिल पाता है। वह भारी मानसिक दवाब में होने के कारण आत्महत्या कर लेते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में सफल होने के बाद भी प्रवेश नहीं मिलता है। छात्रों के मन में यह बैठा दिया जाता है, कि यदि उन्हें प्रवेश नहीं मिला तो उनका करियर खत्म हो गया। मां-बाप का दबाव और वर्तमान मे जो परीक्षाओं का मकड़ जाल है। उसमें फंसकर छात्र और छात्राओं मैं आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। 10 साल में 70 फ़ीसदी आत्महत्या छात्र-छात्राओं द्वारा कर लेना, सरकार और सामाजिक संस्थाओं का इस विषय में मौन रहना, सभी को चिंता में डाल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले 5 वर्षों से आत्महत्या के मामलों को जाहिर नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण यह पता लगाना भी बहुत मुश्किल हो गया है,कि कितने छात्र-छात्राओं, कितने किसानों और कितने लोगों ने कर्ज में दबकर आत्महत्या की है। इस संबंध में सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मानव अधिकार संगठनो को भी इस मामले में सक्रियता के साथ पहल करनी चाहिए। ताकि मानव जीवन में जो आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उसे नियंत्रित किया जा सके।

अब अभिनेता प्रकाश राज ने सनातन की कर दी डेंगू से तुलना, हो रहा विरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। अभिनेता प्रकाश राज ने भी सनातन धर्म की तुलना डेंगू से कर दी है। इसका हर ओर विरोध हो रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान प्रकाश राज ने सनातन को खत्म करने की बात कही है। उन्होंने सनातन की तुलना डेंगू जैसी बीमारियों से की। हालांकि, यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी वह धर्म को तनातन कहने के चलते विवादों में आ चुके हैं। चंद्रयान-3 की लैंडिंग से पहले भी उन्होंने इसरो के मिशन पर सवाल उठा दिए थे, जिसे लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हो गई थी। राज का कहना है कि श्रीराम के जुलूस में 18 साल के युवाओं के हाथों में चाकू और तलवार देखकर दुख हुआ। कलबुर्गी में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह सोचकर आश्चर्य होता है कि उनका ब्रेनवॉश किसने किया होगा। अभिनेता ने कहा कि क्या 8 साल के बच्चे को धर्म से जोड़ना सनातन नहीं है? यह डेंगू बुखार जैसा है, जिसे खत्म किया जाना जरूरी है। हम किस देश में जी रहे हैं? बीआर आंबेडकर के चलते छुआछूत गलत हो गई, लेकिन लोगों की मानसिकता नहीं जा रही। इस दौरान प्रकाश राज ने एक मुस्लिम कंडक्टर का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, कर्नाटक में एक मुस्लिम बस कंडक्टर था, जिसने टोपी पहनी हुई थी। एक महिला ने उसे हटाने के लिए कहा। ऐसा बोलने वाले लोग भी होंगे। आस-पास कौन थे, जो यह सब होते हुए देख रहे थे? कोई कंडक्टर इयप्पा माला पहनेगा, तो उसे कंडक्टर के तौर पर देखेंगे या भक्ति के जरिए। एक कंडक्टर हनुमान टोपी पहनकर बस के सुरक्षित रूप से चलने की प्रार्थना करेगा। उन्होंने आगे कहा, क्या हर कोई कपड़े उतार कर बैठ सकता है? सभी को अपने धर्मों का पालन करना चाहिए। इस देश में सभी को जीवित रहना चाहिए? समाज में सभी को रहना चाहिए। बता दें कि रविवार को ही राज के कलबुर्गी आने को लेकर जमकर विरोध हुआ था। कई हिंदू समूहों ने प्रदर्शन किया और कलेक्टर और उपायुक्त को मेमोरेंडम भी सौंपा था। ये समूह राज के कथित हिंदू विरोधी बयानों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और शहर में उनके प्रवेश पर रोक की मांग कर रहे थे।। उस दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। कुछ सप्ताह पहले ही राज कर्नाटक के शिवमोगा पहुंच थे। उनके जाने के बाद विरोध के रूप में संगठनों ने गोमुत्र का छिड़काव किया था। चंद्रयान को लेकर भी हुए बवाल के बाद उन्हें सफाई दी थी और कहा था कि यह मलयालम जोक से जुड़ा हुआ था।

उत्तर प्रदेश में आफत की बारिश, अब तक 19 लोगों की मौत, सीएम योगी ने अधिकारियों को दिया ये निर्देश

ग्वालियर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम उन्नीस लोगों की मौत हो गई है। राज्य राहत आयुक्त कार्यालय ने सोमवार शाम को बताया कि चार की मौत बिजली गिरने से और दो की डूबने से हुई। इसमें कहा गया है कि हरदोई में चार, बाराबंकी में तीन, प्रतापगढ़ और कन्नौज में दो-दो और अमेठी, देवरिया, जालौन, कानपुर, उन्नाव, संभल, रामपुर और मुजफ्फरनगर जिलों में एक-एक मौत की सूचना मिली है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 22 जिलों में 40 मिमी से अधिक बारिश हुई है, जिनमें मुरादाबाद, संभल, कन्नौज, रामपुर, हाथरस, बाराबंकी, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, बहराईच, लखनऊ, बदांयू, मैनपुरी, हरदोई, फिरोजाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, कानपुर, सीतापुर फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी और फ़तेहपुर शामिल हैं।

सीएम योगी का अधिकारियों को निर्देश

एक सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य चलाने के निर्देश दिये हैं। प्रवक्ता ने बताया कि आदित्यनाथ ने अधिकारियों को इलाकों का दौरा करने और राहत कार्यों पर नजर रखने को कहा है और आपदा से प्रभावित लोगों को तुरंत अनुमेय राहत राशि वितरित करने को कहा है। जल भराव की स्थिति में समुचित जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था की जाय तथा नदियों के जल स्तर की निरन्तर निगरानी की जाय। अधिकारी ने सीएम के हवाले से कहा कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन किया जाना चाहिए और रिपोर्ट सरकार को उपलब्ध करायी जानी चाहिए ताकि प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा राशि प्रदान की जा सके।

सड़क ठेकेदारों पर फूटा सीएम योगी का गुस्सा

योगी ने साफ तौर पर कहा कि जो सड़कें नई बनेंगी, उनकी पांच साल की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि जब आप (अधिकारी) वहां जाएं तो आपको पूरे जिले की समीक्षा करनी होगी। औचक दौरे करें और काम की गुणवत्ता जांचें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अपराधी या माफिया को ठेका हासिल करने

से दूर रखा जाना चाहिए। ठेका उससे जुड़े किसी भी व्यक्ति तक नहीं पहुंचना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हर विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाए। हमें सड़कों के नव निर्माण की दिशा में आगे बढना होगा। अधिकांश सडकें क्षतिग्रस्त होने के कारण जलभराव की समस्या रहती है। सीएम ने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सड़क निर्माण एजेंसी/ठेकेदार सड़क निर्माण के बाद अगले 05 वर्षों तक सड़क के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी ले।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिंकी सोनी बनीं वडोदरा की महापौर और चिराग बारोट उप महापौर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा,वडोदरा शहर को नया महापौर मिल गया है। ढाई वर्ष की अवधि पूर्ण होने के बाद आज वडोदरा महानगर पालिका के नए पदाधिकारियों को चयन किया गया। वडोदरा के महापौर के रूप में पिंकी सोनी के नाम की घोषणा की गई, जबकि चिराग बारोट को उप महापौर के रूप में चयन किया गया। वडोदरा महानगर पालिका की स्थायी समिति का अध्यक्ष शीतल मिस्त्री को बनाया गया है। इसके अलावा मनोज पटेल वडोदरा महानगर पालिका में सत्तापक्ष के नेता बनाया गया है। अहमदाबाद महानगर पालिका को भी आज महापौर और उप महापौर मिल गए हैं। प्रतिभा जैन को अहमदाबाद का महापौर और जतिन पटेल को उप महापौर बनाया गया है। जबकि देवांग दाणी को अहमदाबाद महानगर पालिका की स्थायी समिति का अध्यक्ष और गौरांग प्रजापति को सत्ता पक्ष का नेता बनाया गया है।

मासूम किशोरी का अपहरण कर गन्ने खेत में किया दुष्कर्म,पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले से मासूम किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पलसाणा के निकट हाईवे पर रात्रि के दौरान 9 साल की मासूम किशोरी को रोता देख वहां से गुजर रहे युवक ने उससे पूछताछ की। जिसके बाद किशोरी को उसके माता-पिता के पास पहुंचाया। बेटी से पूछताछ में माता-पिता को उसके साथ दुष्कर्म का पता चला। मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आ गई और किशोरी के बयान के आधार पर घटनास्थल पर पहुंच गई। आरोपी ने किशोरी का पहले अपहरण किया और बाद में उसे पलसाणा के निकट हाईवे के बगल स्थित गन्ने के खेत में ले गया।

जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर आरोपी कांतिलाल डेडियार को दबोच लिया। आरोपी मध्य प्रदेश के रतलाम का मूल निवासी है और एक सप्ताह पहले ही पलसाणा इलाके में मजदूरी करने आया था।

मौत के कुआं में 30 फूट की ऊंचाई पर स्टंट कर रही कार हुई धड़ाम, बाल बाल बचा ड्राइवर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरेन्द्रनगर,जन्माष्टमी के अवसर पर सौराष्ट्र समेत अनेक इलाकों में हर वर्ष मेला लगता है। जिसमें विभिन्न राइड्स समेत मौत का कुआं भी लोगों के आकर्षण का केन्द्र होता है। सुरेन्द्रनगर में आयोजित मेला में मौत के कुआं में स्टंट कर रही कार 30 फूट की ऊंचाई से नीचे जा गिरी। राहत की बात है कि इस हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई। कार का ड्राइवर बाल बाल बचा। जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित मेला में मौत का कुआं में स्टंटमैन का करतब देखने कई लोग जमा हुए थे। मौत के कुआं में मोटर साइकिल के साथ कार भी गोल गोल चक्कर काट रही थी। उस वक्त अचानक कार का टायर निकल गया और कार 30 फूट की ऊंचाई से सीधे जमीन पर जा गिरी। हादसे के बाद लोग जमा हो गए और कार में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला। राहत की बात है कि घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

गरबा शौकीनों के लिए अंबालाल की भविष्यवाणी ने बढ़ाई टैंशन, नवरात्रि में हो सकती है बारिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद,मौसम के जानकार अंबालाल पटेल की शारदीय नवरात्रि पर बारिश की भविष्यवाणी ने गरबा खेलने के शौकीनों की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात में अगस्त महीने सूखा निकल गया और सितंबर से फिर एक बार बारिश की शुरुआत हो गई है। खासकर जन्माष्टमी के अवसर पर राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे खिल उठे और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली। आगामी दिनों खासकर नवरात्रि को लेकर अंबालाल पटेल ने भविष्यवाणी की है। अंबालाल पटेल के मुताबिक सितंबर के बाद अक्टूबर महीने में भी बारिश होगी। बता दें कि 15 अक्टूबर 2023 से शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ होगा जो 24 अक्टूबर तक चलेगी। अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी के मुताबिक अगर अक्टूबर में बारिश होगी तो नवरात्रि में खलेल होगी। गरबा खेलने के शौकीनों में नवरात्रि को लेकर अभी से जबर्दस्त उत्साह है और अगर उस वक्त बारिश होती है तो उनकी उम्मीदों पर पानी फिर जाएगा। पिछले साल भी नवरात्रि के दौरान बारिश से गरबा कार्यक्रमों पर असर हुआ था। अर्थात आगामी नवरात्रि को लेकर गरबा के शौकीन तैयारी भले ही कर लें, लेकिन उन्हें यह भी याद रखना होगा कि बारिश भी अपनी तैयारियां कर रही है। अंबालाल पटेल के मुताबिक केवल नवरात्रि ही नहीं दिवाली के त्यौहारों के दौरान भी बारिश हो सकती है। नव वर्ष के प्रारंभ में भी बारिश की संभावना से इंकार नहीं किया

जेतपुर में महिला कांस्टेबल के आत्महत्या केस में ठोस कार्यवाही ना होने से कोली समाज नाराज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट के जेतपुर में एक महिला कांस्टेबल के आत्महत्या के मामले में 6 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं किए जाने से कोली समाज ने नाराजगी व्यक्त की है। कोली समाज का आरोप है कि सभी सबूत दिए जाने के बावजूद तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। बता दें कि 6 दिन पहले राजकोट के जेतपुर में महिला पुलिस कांस्टेबल दया सरिया ने पुलिस लाइन स्थित अपने क्वार्टर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। इस घटना के बाद राज्य के कैबिनेट मंत्री कुंवरजी बावलिया पीड़ित परिवार के साथ बातचीत कर चुके हैं। लेकिन इस मामले में कोई उचित कार्यवाही नहीं किए जाने से कोली समाज के नेताओं ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए 24 घंटों का अल्टीमेटम दिया है। कोली समाज ने कहा है कि पुलिस अगर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं करती है वह उपवास पर उतर जाएंगे। ठाकोर कोली सेना प्रमुख जयेश ठाकोर ने कहा कि हमने पुलिस को कुछ लोगों के खिलाफ सभी सबूत दे दिए हैं, इसके बावजूद उसने कोई कार्यवाही नहीं की। पुलिस का कहना है कि उसे मोबाइल फोन एफएसएल की जांच के लिए भेजा है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही कोई कार्यवाही की जाएगी।

भूपेन्द्र' पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में गुजरात पुलिस की 'क्राइम कॉन्फ्रेंस' आयोजित हुई

सब्जियों के दाम करीब 80 फीसदी घटने से गृहणियों को राहत, किसानों की बढ़ी मुश्किलें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

त्यौहारों के दौरान सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही थीं। खासकर प्रति किलो टमाटर रु 200 को पार कर गया था। हांलाकि सब्जियों की कीमतों में 80 फीसदी कमी आने से गृहणियों को बड़ी राहत मिली है तो किसानों को मुश्किलें बढ़ गई हैं। किसानों की शिकायत है कि सब्जियों की कीमतें घटने से उनका लागत खर्च भी नहीं निकल रहा। दरअसल मंडियों में सब्जियों की व्यापक आय होने से इसकी कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है। कभी टमाटर प्रति किलो रु 200 के पार पहुंच गया था, वही आज थोक में रु 7 से रु 10 में मिल रहा है। सब्जियों की कीमतें कम होने से गृहणियों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। थोक बाजार में सब्जियां बेचने वाले किसानों को लागत खर्च भी नहीं मिल रहा। फिलहाल मंडियों में सब्जियों के थोक दाम रु 15 से रु 20 के आसपास है। टमाटर रु 200 से घटकर एक महीने पहले रु 100 पर आ गए थे। अब थोक में रु 7 से रु 10 प्रति किलो बिक रहे हैं। करेला की कीमत भी रु 50 से घटकर रु 7 प्रति किलो हो गई है।

वहीं हरी मिर्च रु 50 से घटकर रु 10 से रु 15, गोभी रु 40 से घटकर रु 10 से 12, हरी धनिया रु 80 से घटकर रु 12 से रु 15, बैंगन रु 40 घटकर रु 4 से रु 5, गवारफली रु 80 से घटकर रु 15 से रु 18 और लौकी प्रति किलो रु 30 से घटकर रु 2 से रु 3 में बिक रही है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141480 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com